Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 166
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,15 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

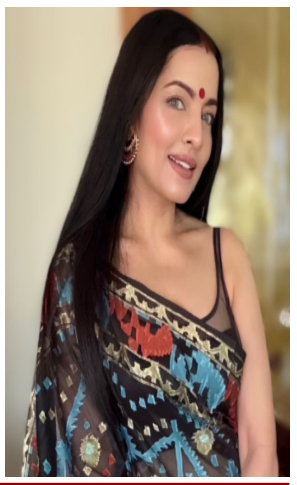

2 सचेंडी में गरजे अजय राय बोले- दूसरे पर चलता 4 अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व को एक 8 कोहरे की चपेट में उत्तर भारत, मैदानी इलाकों

पोंगल पर्व में शामिल हुए पीएम

प्रकृति के संरक्षण की प्रेरणा देता है यह त्यौहार:पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को पोंगल पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि यह पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण को जीवन शैली का हिस्सा बनाने की प्रेरणा देता है। श्री मोदी बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्री एल मुरूगन के निवास पर पोंगल उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा, पोंगल का पर्व हमें प्रेरणा देता है कि पृथ्वी के प्रति आभार केवल शब्दों तक सीमित ना रहे उसे हम जीवन शैली का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि जब ये धरती हमें इतना कुछ देती है, उसे संजोने का दायित्व भी हमारा है। अगली पीढ़ी के लिए मिट्टी को स्वस्थ रखना, पानी को बचाना और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना, सबसे जरूरी है। मिशन लाइफ, एक पेड़ मां के नाम, अमृत सरोवर, जैसे हमारे अभियान इसी भावना को आगे बढ़ाते हैं। हम खेती को अधिक सतत और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल एक वैश्विक त्योहार बन चुका है। दुनिया भर में तमिल समुदाय और तमिल संस्कृति से प्रेम करने वाले लोग इसे उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि तमिल जीवन में पोंगल एक सुखद अनुभूति की तरह है, इसमें अन्नदाता की मेहनत, धरती और सूर्य के प्रति आभार का भाव है, साथ ही ये पर्व हमें प्रकृति, परिवार और समाज में संतुलन बनाने का रास्ता दिखाता है। उन्होंने कहा, इस समय देश के अलग-अलग हिस्सों में लोहड़ी, मकर संक्रांति, माघ बिहू और अन्य त्योहारों की भी उमंग है। मैं भारत और दुनिया भर में रहने वाले सभी तमिल भाई-बहनों को पोंगल की और सभी पर्वों की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। पिछले वर्ष तमिल संस्कृति से जुड़े कई कार्यक्रमों में शामिल होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा तमिल संस्कृति पूरे भारत की साझी विरासत है, इतना ही नहीं, पूरी मानवता की ये साझी विरासत है। पोंगल जैसे पर्व एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को और सशक्त बनाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया की लगभग सभी सभ्यताओं में फसलों से जुड़ा कोई न कोई उत्सव मनाया जाता है। तमिल संस्कृति में किसान को जीवन का आधार माना गया है। तिरुक्कुरल में कृषि और किसानों पर विस्तार से लिखा गया है। हमारे किसान राष्ट्र निर्माण के मजबूत साथी हैं, उनके प्रयासों से आत्मनिर्भर भारत अभियान को बहुत मजबूती मिल रही है। केंद्र सरकार भी किसानों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध होकर लगातार काम कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि तमिल संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है।

विंटर टूरीज्म कानक्लेव में पहुंचे सीएम धामी

इकॉलोजी और इकोनॉमी का संतुलन बनाना जरूरी:धामी

उत्तरकाशी (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी उत्तरकाशी पहुंचे चुके हैं। कुछ ही क्षणों में निम उत्तरकाशी में आयोजित विंटर टूरिज्म कॉनक्लेव कार्यक्रम और उसके बाद रामलीला मैदान उत्तरकाशी में आयोजित माघ मेला कार्यक्रम में पधारेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में आयोजित विंटर टूरीज्म कानक्लेव में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को इकॉलोजी और इकोनॉमी का संतुलन बनाकर बढ़ावा दिया जाएगा। कहा कि प्रदेश सरकार ने पर्वतारोहण और ट्रेकिंग आदि के लिए अनुमति की प्रक्रिया को सरल बनाकर इसको सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया है। पर्यटन तब बढ़ेगा जब ग्रामीण क्षेत्र तक लोग पहुंचेंगे और हर महिला युवा इससे जुड़ कर देश के सामने पहाड़ की समृद्ध संस्कृति और उत्पादों का एक बाजार उपलब्ध करवा पाएं।

बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के आधिकारिक आवास में आग लगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग पर स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद के आधिकारिक आवास में बुधवार सुबह आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह तुरंत पता नहीं चल पाया कि घटना के समय पटना साहिब के सांसद घर पर थे या नहीं। डीएफएस के अधिकारी ने बताया कि प्रसाद के आवास पर आग लगने की सूचना सुबह करीब आठ बजकर पांच मिनट पर मिली। आग घर के एक कमरे में रखे फर्नीचर में लगी थी। उन्होंने बताया कि दमकल की तीन गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं और सुबह आठ बजकर 35 मिनट पर आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की फॉरेंसिक टीम भी मौके पर मौजूद थी।

मकर संक्रांति पर स्नान करने गए चार किशोरों की डूबने से मौत, घर में पसरा मातम

प्रयागराज (एजेंसी)। जिले के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हुसैनपुर अहमदपुर पावन गांव में एक तालाब में डूबने से चार किशोरों की मृत्यु हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीसीपी (नगर) मनीष शांडिल्य ने बताया कि ये लड़के मंगलवार की शाम घर में बताए बगैर कहीं चले गए थे। रातभर इनके घर वालों ने इन्हें ढूंढा, लेकिन ये नहीं मिले और आज गांव के एक तालाब में इनके शव मिले। उन्होंने बताया कि मृतकों की शिनाख्त प्रिंस सोनकर (10), प्रतीक सोनकर (13), करन (19) और प्रियांशु (10) के रूप में हुई है।ऐसा प्रतीत होता है कि ये लड़के कल तालाब में नहाने चले गए थे जहां डूबने से इनकी मृत्यु हुई। इनके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

दिल्ली को 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की सौगात, कुल संख्या बढ़कर 319 हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को राजधानी को 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर मिले। इसके साथ ही दिल्ली में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की कुल संख्या 319 हो गई है। दिल्ली सरकार ने भविष्य में 1100 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। अब तक दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 238 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हो रहे थे। नए केंद्रों के जुड़ने से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और अधिक इलाकों तक सुनिश्चित होगी, खासकर उन क्षेत्रों में जहां लोगों को छोटे इलाज के लिए भी बड़े अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता था।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के नांगल राया क्षेत्र में एक नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि

सरकार का लक्ष्य हर नागरिक को उनके घर के पास गुणवत्तापूर्ण और मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा, मकर संक्रांति के इस बड़े पर्व पर आज दिल्ली की जनता को 81 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर समर्पित किए जा रहे हैं। इससे पहले 238 आरोग्य मंदिर पहले ही शुरू किए जा चुके हैं। इन केंद्रों के माध्यम से हम लगातार दिल्ली में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर केवल इलाज के केंद्र नहीं हैं, बल्कि ये रोकथाम, जांच और स्वास्थ्य जागरूकता का भी अहम मंच बनते जा रहे हैं।दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में राजधानी के हर वार्ड और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे। सरकार का मानना है कि मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य ढांचा बनाना, बड़े अस्पतालों पर बोझ कम करेगा, मरीजों का समय और पैसा बचाएगा, गंभीर बीमारियों की शुरूआती पहचान में मदद करेगा। इसी रणनीति के तहत आरोग्य मंदिरों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

'हम पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाते हैं', सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर बोले रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को 10वें सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों की तारीफ की और उन्हें देश का गर्व बताया। जानिए और क्या बोले राजनाथ सिंह आज देश 10वां सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मना रहा है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया और जिन सैनिकों ने युद्ध के मैदान में अपने प्राण गंवाएं, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि देश अपने पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाता है। राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को देश का गर्व बताया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम भारत समेत

विश्व भर में रहने वाले अपने पूर्व सैनिकों को आदरपूर्वक नमन करते हैं। हम शहादत प्राप्त उन सभी सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। आज मुझे इस विशाल परिवार के साथ में मकर संक्रांति मनाने का अवसर मिला है। रक्षामंत्री के रूप में देश की सेवा करने का मौका मिला राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'आपके लिए यह सिर्फ एक पेशा नहीं है; बल्कि एक प्रतिज्ञा है जिसमें आप सभी ने राष्ट्र को अपने से ऊपर रखा है। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं क्योंकि किसी भी समाज के लिए इससे बड़ा बलिदान कुछ और नहीं होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में उन्हें देश सेवा करने का मौका मिला और यह मेरी सबसे संतोषजनक भूमिका रही है। उन्होंने सभी सैनिकों के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना योगदान देते रहते हैं। इसलिए रक्षा मंत्री के रूप में आपके साथ काम करना मेरे जीवन के सबसे सुखद पलों में से एक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में भी कार्य किया है। लेकिन मुझे सबसे अधिक संतोष रक्षा मंत्री के रूप में सेवा करने से ही मिला है। इसमें सैनिकों के जीवन में आने वाली तमाम चुनौतियों का समाधान करने का सौभाग्य मिला है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'सैनिकों को हर परिस्थिति में हमेशा डट कर खड़े रहना सिखाया जाता है। सियाचिन हो या राजस्थान की भीषण गर्मी, सैनिक किसी प्रतिकूल परिस्थिति में भी पीछे नहीं हटता है। सैनिकों का यही अनुभव उनके चरित्र का निर्माण करते हैं। वास्तव में एक सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता बल्कि वर्दी का रंग बदलने के बावजूद उसका मनोबल बना रहता है।

पंजाब: मुक्तसर साहिब में मेला माघी शुरू

सीएम मान ने चालीस मुक्तों को किया नमन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के चालीस मुक्तों की महान शहादत की साक्षी पवित्र धरती श्री मुक्तसर साहिब में मेला माघी पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ शुरू हो गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में संगतें श्री मुक्तसर साहिब पहुंच रही हैं और गुरु चरणों में शीश नवाकर महान शहीदों को नमन कर रही हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान बुधवार को माघी मेले के उपलक्ष्य में श्री मुक्तसर साहिब पहुंचेंगे। वे सबसे पहले गुरुद्वारा श्री टूटी गंढी साहिब में माथा टेकेंगे और इसके बाद एक रैली में शामिल होकर पंजाब के लोगों को संबोधित करेंगे। जानकारी के अनुसार, सीएम मान इस मौके पर संगतों को माघी मेले और चालीस मुक्तों के बलिदान के महत्व से अवगत कराएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संदेश जारी कर खिदराना ढाब की ऐतिहासिक जंग में शहीद हुए चालीस मुक्तों को नमन किया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, उन

40 मुक्तों की शहादत को करोड़ों नमन हैं, जिन्होंने धर्म और इंसाफ के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। सीएम मान ने माघी मेले के अवसर पर गुरुओं के चरणों में शीश नवाने पहुंची सभी संगतों के प्रति भी सम्मान प्रकट किया।मेला माघी के चलते श्री मुक्तसर साहिब में जबरदस्त श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। लोहड़ी की रात से ही संगतों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह से लेकर दोपहर बाद तक गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब में मत्था टेकने और पवित्र सरोवर में स्नान करने का सिलसिला लगातार जारी है। कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बावजूद संगतों की आस्था में कोई कमी नहीं दिख रही है।

'हिंदुत्व हमारी आत्मा, वोट के लिए कभी दिखावा नहीं किया'; निकाय चुनाव से पहले सीएम फडणवीस की दो टूक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बीएमसी चुनाव से पहले कहा कि हिंदुत्व हमारी आत्मा है और वोट के लिए कभी इसका प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने ओवैसी और शिवसेना (यूबीटी) पर भी निशाना साधा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निकाय चुनाव के मतदान से पहले कहा कि उनकी पार्टी ने कभी वोट पाने के लिए हिंदुत्व का प्रदर्शन नहीं किया। फडणवीस ने हिंदुत्व को अपनी पार्टी की आत्मा बताते हुए कहा कि यह मराठी समाज में गहराई से जुड़ा हुआ है और उनकी पार्टी हर समुदाय की

परंपराओं और विश्वासों का सम्मान करती है। फडणवीस ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा हिंदुत्व हमारी आत्मा है। हमने कभी वोट पाने के लिए हिंदुत्व का प्रदर्शन नहीं किया। हमने केवल हिंदुत्व की पूजा की। क्या मराठी व्यक्ति हिंदुत्व में विश्वास नहीं करता? हम हर जाति के हिंदुत्व का उनके अपने रीति-रिवाजों के अनुसार सम्मान और पूजा करते हैं। असदुद्दीन ओवैसी पर भी साधा निशाना उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी पर इशारों में निशाना साधा। ओवैसी ने हाल ही में यह कहा था कि अगर उनकी गठबंधन सरकार बनी, तो हिजाब पहनने वाली महिला मेयर बन सकती हैं।

बॉर्डर पार कर फिर भारत पहुंची बांग्लादेशी महिला, मुंबई एटीएस ने दबोचा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एटीएस ने एक 30 साल की बांग्लादेशी महिला को बिना वैलिड ट्रैवल डॉक्यूमेंट्स के मुंबई में अवैध रूप से रहते हुए पाए जाने के बाद गिरफ्तार कर लिया है। महिला की पहचान बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर के रूप में हुई है, जिसे एटीएस और कफ परेड पुलिस के अधिकारियों द्वारा की गई रेड के दौरान हिरासत में लिया गया था। पुलिस अधिकारी के अनुसार, एटीएस अधिकारी और उनकी टीम को खुफिया जानकारी मिली थी कि एक विदेशी नागरिक अवैध रूप से भारत में घुस आया है और कफ परेड इलाके में रह रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लिया। एक मुखबिर से उसकी पहचान कन्फर्म करने के बाद टीम ने उसे पकड़ लिया।पूछताछ के दौरान महिला ने शुरू में टालमटोल वाले जवाब दिए और बाद में पूछताछ करने पर उसने कबूल किया कि वह बांग्लादेशी नागरिक है और उसे पहले अगस्त 2025 में क्राइम ब्रांच द्वारा अवैध रूप से रहने के लिए डिपोर्ट किया गया था। उसने कबूल किया कि डिपोर्ट किए जाने के बावजूद वह बॉर्डर पार कर फिर से भारत में घुस आई थी और बिना किसी वैलिड इमिग्रेशन डॉक्यूमेंट्स के कफ परेड इलाके में एक किराए के कमरे में रह रही थी।

'आचार संहिता के बावजूद महायुति को पैसे बांटने की खुली छूट'; संजय राउत ने चुनाव आयोग पर लगाए आरोप

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आचार संहिता लागू होने के बावजूद महायुति दलों को घर-घर जाकर पैसे बांटने की छूट दी जा रही है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद महायुति की पार्टियों भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी को घर-घर जाकर प्रचार

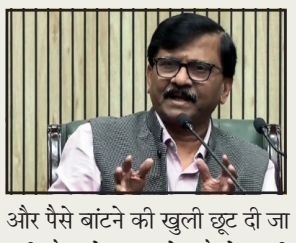

और पैसे बांटने की खुली छूट दी जा रही है। डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने कहा कि नियमों के मुताबिक मंगलवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका था, लेकिन इसके बाद भी चुनाव आयोग ने डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति दे दी, जो सवालों के घेरे में है। राउत ने कहा जब आचार संहिता लागू है और प्रचार खत्म हो चुका है, तब घर-घर जाकर प्रचार की इजाजत देना किस तरह का नियम है? यह सीधे तौर पर भाजपा, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को पैसे बांटने का लाइसेंस देने जैसा है। संजय राउत ने मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित वरिष्ठ नेताओं ने दी मकर संक्रांति की बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। मकर संक्रांति का पावन पर्व बुधवार को धूमधाम से मनाया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कांग्रेस के नेताओं ने मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दी हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने देशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, भगवान सूर्य के उत्तरायण होने एवं नई फसलों के स्वागत के महापर्व मकर संक्रांति और माघ बिहू की हार्दिक शुभकामनाएं। ये सभी पर्व हमारी विविधता और प्रकृति से गहरे प्रेम के प्रतीक हैं जो हमारी

सामाजिक व सांस्कृतिक परंपराओं को और समृद्ध बनाते हैं। ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि ये त्यौहार समस्त देशवासियों के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि का संचार करें।श्कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जैसे ही भारत अपनी जीवंत फसल परंपराओं का जश्न मनाने के लिए एक साथ आता है, उम्मीद है कि हवा कृतज्ञता, खुशी और एकजुटता से भर जाएगी। हम सभी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। मकर संक्रांति, पोंगल, सुग्गी हब्बा, माघी, भोगली बिहू, खिचड़ी, पौष पर्व, उत्तरायण और मकरविलक्कू के त्योहार सभी के लिए असीम खुशी, अच्छे स्वास्थ्य और स्थायी समृद्धि लाएं।राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, मकर संक्रांति के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। यह शुभ अवसर आप सभी के जीवन में एक नई ऊर्जा, नई उमंग एवं नई शुरूआत लाए। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आप समस्त प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति की मंगलमय शुभकामनाएं।

सचेंडी में गरजे अजय राय बोले- दूसरे पर चलता बुलडोजर दरोगा पर क्यों है शांत? दिखावा है 50 हजार का इनाम

कानपुर। सचेंडी में दुष्कर्म पीड़िता के घर पहुंचे अजय राय ने पुलिस पर आरोपी दरोगा को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विभाग की किरकिरी बचाने के लिए बुलडोजर शांत है। उन्होंने पीड़िता के लिए 50 लाख की मदद और आवास की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस दुष्कर्म के आरोपी दरोगा को बचा रही है। दरोगा के खिलाफ 50 हजार का इनाम दिखावे के लिए किया गया है। कोई और होता तो अब तक बुलडोजर चल चुका होता, लेकिन अपने विभाग की किरकिरी होगी इसलिए बुलडोजर शांत है। पीड़िता से मिलने नहीं दिया जा

रहा है सरकार क्या दिखाना चाह रही है। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बुधवार ने ये बातें कहीं। वे सचेंडी में दुष्कर्म पीड़िता से मुलाकात करने आए थे। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सरकार और पुलिस को घेरते हुए कहा कि सरकार को यह पता था कि आज मैं बेटी से मिलने आ रहा हूं। पीड़िता घटना की सही जानकारी ना दे सके इसलिए मेरे पहुंचने से पहले पुलिस पीड़िता और उसके भाई को घर से बयान कराने के बहाने यहां से ले गई। प्रदेश अध्यक्ष ने पीड़िता के पिता से बातचीत की और घटना की जानकारी ली। इस दौरान पीड़िता के पिता ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि पुलिस आरोपी दरोगा अमित मौर्य को बचाने में जुटी है। पीड़ित परिवार झोपड़ी बनाकर रहने को मजबूर लगातार उनको धमकियां मिल रही है। बावजूद इसके उसकी अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई। इस पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आरोपी अगर कोई और होता तो अब तक बुलडोजर चल चुका होता। क्योंकि आरोपी विभाग का व्यक्ति है और पुलिस की छवि धूमिल हो रही है। इसलिए बुलडोजर अभी तक नहीं चला और ना आरोपी की गिरफ्तारी हो पाई। सरकार तत्काल आरोपी दरोगा की गिरफ्तारी कर पीड़िता के परिजनों को 50 लाख रुपये सरकारी आवास दिलाए। पीड़ित परिवार झोपड़ी बनाकर रहने को मजबूर है। कांग्रेस पार्टी पीड़िता की हर संभव मदद करेगी इस गांव में ना लाइट है,ना शौचालय है और ना सड़क बनी हुई है। मोदी जी हर घर शौचालय देने की बात करते आवास देने की बात करते, लेकिन इस गांव की हकीकत देखकर लगता है कि मोदी की बात सिर्फ मन की बातें हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पीड़िता की हर संभव मदद करेगी। वीरता की लड़ाई अंत तक लड़ेगी पीड़िता को अगर आर्थिक मदद की जरूरत होगी तो कांग्रेस पार्टी वह भी करेगी। सरकार से उनकी मांग है कि वह पीड़िता को जल्द से जल्द न्याय दिलाएं और आरोपी दरोगा की गिरफ्तारी अगर जल्द दरोगा गिरफ्तार नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए सड़कों पर उतरेगी।

22वीं सीनियर एशियाई हैंडबॉल (पुरुष) चैम्पियनशिप में चयनित पूर्वोत्तर रेलवे के हैंडबॉल खिलाड़ी श्री रविंद्र पाल सिंह

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) द्वारा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराये जा रहे अत्याधुनिक संसाधनों एवं प्रशिक्षणों के फलस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, कुवैत में 15 से 29 जनवरी, 2026 तक आयोजित होने वाली 22वीं सीनियर एशियाई हैंडबॉल (पुरुष) चैम्पियनशिप में भारतीय हैंडबॉल टीम (पुरुष) प्रतिभाग कर रही है, जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे के हैंडबॉल खिलाड़ी श्री रविंद्र पाल सिंह का चयन हुआ है। 22वीं सीनियर एशियाई हैंडबॉल (पुरुष) चैम्पियनशिप में पूर्वोत्तर रेलवे के हैंडबॉल खिलाड़ी श्री रविंद्र पाल सिंह के चयनित होने पर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे एवं सरंक्षक/नरसा श्री उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री विनोद कुमार शुक्ल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण एवं अध्यक्ष/नरसा श्री अभय कुमार गुप्ता, मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/पी.एम. एवं उपाध्यक्ष/नरसा श्री विजय कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी एवं महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, हैंडबॉल/सचिव श्री कृष्ण चन्द्र सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह तथा नरसा पदाधिकारियों ने बधाई दी है।

यह गाड़ी अपने पूर्व समयानुसार चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से पूर्व में निरस्त की गई निम्नलिखित गाड़ियों का संचलन बहाल कर दिया गया है।

संचलन बहाल-

-55098 गोरखपुर कैंट-नरकटियागंज सवारी गाड़ी का संचलन 14 जनवरी, 2026 से बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्व समयानुसार चलाई जायेगी।

-55097 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी का संचलन 15 जनवरी, 2026 से बहाल कर दिया गया है। यह गाड़ी अपने पूर्व समयानुसार चलाई जायेगी।

कटिहार एक्सप्रेस अमृतसर से 90 मिनट रि-शिड्यूल कर एवं मार्ग में 40 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर रेलवे के अमृतसर-जलंधर सिटी खंड पर जलंधर सिटी यार्ड के फिरोजपुर कैंट लाइन पर पुल संख्या 28 पर इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में यातायात एवं पावर ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का रि-शिड्यूलिंग/नियंत्रण निम्नवत किया जायेगा।

रि-शिड्यूलिंग/नियंत्रण-

-अमृतसर से 29 जनवरी, 2026 को चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस अमृतसर से 60 मिनट रि-शिड्यूल कर एवं मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-कटिहार से 29 जनवरी, 2026 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस फिरोजपुर मंडल में 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

-अमृतसर से 31 जनवरी, 2026 को चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस अमृतसर से 90 मिनट रि-शिड्यूल कर एवं मार्ग में 40 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

मुंबई में ट्रक से टकराई कार बस्ती के युवक की मौत

कप्तानगंज(बस्ती)। मुंबई से नासिक जा रहे श्रद्धालुओं की कार सोमवार की देर रात ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस्ती के युवक की मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों कोहराम मच गया। दुर्घटना में दो अन्य युवकों की भी मौत हुई है। परसरामपुर थाना क्षेत्र के रानीपुर (माचा) गांव निवासी रविंद्र प्रताप श्रीवास्तव कई सालों से गोंडा जिले के नबावगंज थाना क्षेत्र के कोल्हमपुर में परिवार के साथ रहते हैं। इनका इकलौता बेटा रत्नेश कुमार श्रीवास्तव तीन साल से मुंबई के एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी था। सोमवार की रात करीब 9 बजे उसने माता-पिता को फोन कर बताया कि कमरे पर पहुंच गया हूं। आधी रात को वह कंपनी के दोस्तों से के साथ देव दर्शन के लिए नासिक के आगे कार से जा रहा था। कार में तीन लोग सवार थे। रात करीब 2:30 बजे कार के आगे चल रही ट्रक के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे कार अनियंत्रित होकर पीछे से ट्रक में टकराई गई थी।

मूल्यांकन में अटका प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए इंतजार

बस्ती। विकास कार्यों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की पांच ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना में प्रधानों की ओर से आवेदन किया गया है। मगर, जांच के फेर में फाइलें लटकी हुई हैं। ऐसे में उत्कृष्ट पंचायतों को पुरस्कार मिलने में देरी हो रही है। हर साल मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना के तहत पंचायतों में कराए गए विकास कार्यों के निर्धारित बिंदुओं के आधार पर पुरस्कार के लिए ।

मेला यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा मकर संक्रान्ति (खिचड़ी) पर्व के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय,

गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले खिचड़ी मेला के दौरान श्रद्धालु यात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित एवं संरक्षित यात्रा उपलब्ध कराने के लिये तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश एवं बिहार के विभिन्न जनपदों के अतिरिक्त पड़ोसी देश नेपाल से भारी संख्या में श्रद्धालु यात्रियों का गोरखपुर आगमन होता है। मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु 05016/05015 गोरखपुर-नौतनवा-गोरखपुर अनारक्षित मेला विशेष गाड़ी का संचलन 10 फेरों के लिये किया जा रहा है। साथ ही 17 एक्सप्रेस ट्रेनों का अस्थाई ठहराव नकहा जंगल स्टेशन पर प्रदान किया गया है। मेला अवधि में गोरखपुर जं. स्टेशन पर स्टेशन के

बाहरी परिसर में यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु बैरिकेडिंग की गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये डॉग स्क्वाड द्वारा स्टेशन परिसर में समय-समय पर चेकिंग की जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिये गोरखपुर जं. एवं नकहा जंगल स्टेशनों पर चिकित्सा सहायता बूथ खोला गया है। मेला अवधि में यात्रियों की सुविधा हेतु नकहा जंगल स्टेशन पर एक यात्री होल्डिंग एरिया बनाया गया है साथ ही पर्याप्त संख्या में मोबाइल प्रसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। राजकीय रेलवे पुलिस (जी.आर.पी.) एवं रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) के जवानों तथा वाणिज्य विभाग के रेल कर्मियों को गोरखपुर जं. एवं नकहा जंगल स्टेशन पर तैनात किया गया है ताकि मेला में आने वाले रेल यात्रियों को बेहतर सुविधा प्राप्त हो। नकहा जंगल स्टेशन पर महिला कॉन्सटेबल की भी ड्यूटी लगाई गई है। स्टेशनों पर साफ-सफाई के व्यापक प्रबन्ध किये गये हैं। स्टेशन पर 24 घंटे सहायता बूथ संचालित है। प्रकाश की उत्तम व्यवस्था, उन्नत साइनेज, पीने के पानी, एप्रोच रोड में सुधार तथा इसके दोनों ओर प्रकाश की उत्तम व्यवस्था के अतिरिक्त टिकट काउंटर खोला गया है। जनसूचना प्रणाली के माध्यम से निरन्तर यात्रियों को बिना टिकट यात्रा न करने, ट्रेन की छत एवं पायदान पर यात्रा न करने, ज्वलनशील/विस्फोटक/हानिकारक सामग्री लेकर न चलने, स्टेशन परिसर में गंदगी न करने, अनाधिकृत व्यक्तियों से खानपान सामग्री क्रय न करने तथा दलालों के माध्यम से टिकट की खरीद न करने की अपील की जा रही है। सुरक्षा को लेकर विशेष निगरानी बरती जा रही है। मेला यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी सुरक्षा एवं संरक्षा हेतु रेल प्रशासन का सहयोग करें।

अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 12 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान, इंजीनियरिंग विभाग व राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा संयुक्त निगरानी के दौरान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रेलवे स्टेशन मैरवा की भूमि में स्थित 27 अद्द अस्थायी दुकानों के अवैध अतिक्रमण को शांतिपूर्ण तरीके से हटाया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कप्तानगंज को निगरानी के दौरान रेलवे स्टेशन खड्डा के प्लेटफार्म सं0 1 पर मानसिक रूप से विक्षिप्त एक व्यक्ति मिला, जिसे कप्तानगंज पोस्ट पर लाया गया तथा विक्षिप्त व्यक्ति के परिजन के पोस्ट पर उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया। 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल चौकी लखनऊ सिटी को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर 14 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरान्त उक्त लड़के को चाइल्ड लाइन लखनऊ जं. को सुपुर्द किया गया। 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 7/8 पर 16 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोमतीनगर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 1 पर यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे गोमतीनगर पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया। 12 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 13020 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे छपरा पोस्ट पर जमा कराया गया। 13 जनवरी, 2026 को यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 13 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट छपरा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15047 में यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे छपरा पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त मोबाइल सुपुर्द किया गया।

दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से अजय राय की मुलाकात

कानपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जाजमऊ में दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मुलाकात की और पुलिस पर आरोपी दरोगा को भगाने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि रक्षक ही भक्षक बन चुके हैं और कांग्रेस इस लड़ाई को सड़क तक लड़ेगी। कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बुधवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कार्यकताओं के साथ पीड़िता के परिजनों से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था और पुलिस विभाग पर गंभीर आरोप लगाते हुए सरकार पर निशाना साधा। अजय राय ने कहा कि यह अत्यंत शर्मनाक है कि जिन कंधों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी है, वही भक्षक बन गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी दरोगा को पुलिस विभाग के लोगों ने ही संरक्षण देकर फरार कराया है। कहा कि दरोगा पर इनाम घोषित करना महज एक दिखावा है। असल में पुलिस अपने ही विभाग के अपराधी को बचा रही है। पीड़ित परिवार को दी सांत्वना अजय राय ने आगे कहा कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए आश्वासन दिया कि पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपी दरोगा की तत्काल गिरफ्तारी के साथ-साथ उसे सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग की।

चीनी मांझे की चपेट में आया डॉक्टर गर्दन कटने से हुई मौत

जौनपुर। जौनपुर में दर्दनाक हादसा हुआ। बाइक से जा रहे एक युवक की चीनी मांझे से गर्दन कट गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जौनपुर जिले में बुधवार को चीनी मांझे की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना पंचहटिया स्थित प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के पास हुई। मृतक की पहचान डॉक्टर समीर हासिमी (28) के रूप में हुई है। गर्दन कटने से काफी खून बह रहा था, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण घटनास्थल पर पहुंचे सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर समीर बाइक से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान संभवतः चीनी मांझे से गर्दन कटने से उनकी मौत हो गई। परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने की ये अपील अधिकारी ने कहा कि चीनी मांझा प्रतिबंधित है। इसे लेकर जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद लोग ऑनलाइन चीनी मांझा मंगाकर इसका उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मकर संक्रांति पर थोड़ी सी खुशी के लिए पतंग लूटने या काटने के लालच में चीनी मांझे का उपयोग न करें। त्योहार मनाएं, लेकिन ध्यान रखें कि किसी तरह की जनहानि न हो।

संक्षिप्त खबरें

चार सफाईकर्मियों का बीडीओ ने वेतन रोका

सल्टौआ। ब्लॉक मुख्यालय पर बैठक में भाग न लेने पर बीडीओ ने चार सफाईकर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। बीडीओ अनिल यादव ने बताया कि मंगलवार को सल्टौआ स्थित ब्लॉक मुख्यालय पर सोलर से संबंधित सभी सफाईकर्मियों की बैठक बुलाई गई थी। इसमें सफाईकर्मी गोविंद शुक्ल, इंद्रजीत, सुनीता व गुरु प्रसाद अनुपस्थित पाए गए। लापरवाही व उदासीनता के आरोप में चारों सफाईकर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

दो दुकानों के लाइसेंस निलंबित

बस्ती। जिला कृषि विभाग की टीम ने कीटनाशक दवाओं की दुकानों पर मंगलवार को छापा मारा। इस दौरान कुल 25 दुकानों की जांच की गई। इस दौरान अनियमितता मिलने पर दो दुकानों का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया और दुकान बंद कर भागने वाले पांच दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी की गई। डीएम के निर्देश पर कीटनाशी दुकानों के औचक निरीक्षण के लिए तीन टीम का गठन किया गया है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा ने बताया कि इन टीमों ने कुल 25 कीटनाशक के प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। इस दौरान संदिग्ध 17 रसायनों के नमूने संग्रहित किए गए। जिन्हें जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला विश्लेषण में भेजा जाएगा। निरीक्षण के दौरान मेसर्स कृष्णा बीज भंडार का स्टॉक रजिस्टर अपूर्ण और कैश मेमो पर की लाइसेंस नंबर अंकित नहीं पाया गया। मेसर्स सागर बीज भंडार रुधौली के प्रतिष्ठान के यहां कीटनाशी रसायनों का रेट लिस्ट और स्टॉक पंजिका उपलब्ध नहीं मिली। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने इन दुकानों का लाइसेंस निलंबित कर दिया। जबकि चौधरी बीज भंडार भानपुर रोड रुधौली, मौर्या बीज भंडार पंडूल घाट रोड कंप्तानगंज, ओझा खाद एवं बीज भंडार पंडूल घाट रोड कंप्तानगंज, फटीर्लाइजर एवं बीज भंडार विशेषरगंज एवं समग्र ग्रामीण कृषि सेवा केंद्र विशेषरगंज को छापे की सूचना पर दुकान बंद कर भागने के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एडीओ समाज कल्याण और पंचायत को नोटिस

सल्टौआ। समीक्षा बैठक में भाग न लेने पर बीडीओ अनिल यादव ने सहायक विकास अधिकारी पंचायत व सहायक विकास अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बीडीओ ने बताया कि मंगलवार को सल्टौआ स्थित ब्लॉक मुख्यालय पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इसमें सहायक विकास अधिकारी पंचायत वीरेंद्र तिवारी व सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण रोहित चौधरी शामिल नहीं हुए। लिहाजा दोनों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया। समय भीतर स्पष्टीकरण नहीं देने पर कार्रवाई की जाएगी।

एआई की मदद से अपराधियों का ब्योरा तैयार करेगी पुलिस

बस्ती। एआई आधारित यक्ष एप चलाने में पारंगत करने के लिए मंगलवार को पुलिस लाइंस सभागार में पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया। एसपी अभिनंदन ने इस एप की खूबियां बताते हुए कहा कि एप चालने में पारंगत पुलिसकर्मी बड़ी वारदातों को जल्द खुलासा कर सकेंगे। उन्होंने एप में रियल टाइम डेटा एंट्री व अलर्ट सिस्टम का उपयोग करने के निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि दक्ष एप अपराध नियंत्रण, बीट पुलिसिंग को मजबूत करने एवं तकनीकी आधारित स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए विकसित एक अत्याधुनिक एआई आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इस एप के माध्यम से अपराधियों का थानावार डेटाबेस, फोटो, वॉयस सैंपल, गैंग लिंक एनालिसिस, मूवमेंट अलर्ट, एआई आधारित संदिग्ध पहचान, वॉयस सर्च एवं रियल-टाइम निगरानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे अपराध रोकथाम, जांच एवं त्वरित कार्रवाई में अभूतपूर्व सहायता मिल रही है।

कोर्ट के आदेश पर दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। कोर्ट के आदेश पर छावनी पुलिस ने दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज की है। थानाक्षेत्र की रहने वाली महिला ने शिकायती पत्र में बताया है कि 11 जुलाई 2025 को उनके भतीजे का जन्मदिन था। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद शाम करीब सात बजे अकेले घर लौट रही थीं। आरोप है कि घर से करीब सौ मीटर पहले गांव का रहने वाला आरोपी राजन चौहान उसे अकेला देखकर जबरदस्ती करने लगा और मुंह दबाकर सड़क के पूरब तरफ ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारापीटा। थानाध्यक्ष ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर आरोपी राजन चौहान के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया गया है।

लेनदेन के विवाद में मारपीट तीन गिरफ्तार

सल्टौआ। सोनहा थाना क्षेत्र के छपिया गांव में जमीन खरीदने पर रुपये की लेनदेन को लेकर मंगलवार को दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया छपिया कस्बे में नरखोरिया गांव के रामनिवास मौर्य, भिवापार निवासी वीरेंद्र पांडेय व ज्ञानदास मौर्य जमीन बेचने व खरीदने में रुपये की लेन देन को लेकर मारपीट कर रहे थे। तीनों को शांतिभंग की आशंका में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से तीनों जेल भेज दिए गए।

सड़क हादसे में मौत मामले में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। हरैया पुलिस ने सड़क हादसे में युवक की मौत मामले में मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थानाक्षेत्र के खम्हरिया सुजात निवासी विशाल सिंह ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उनका भाई 10 जनवरी की शाम करीब छह बजे बाइक से बाजार गया था, मगर वापस नहीं लौटा। खोजबीन के दौरान सोशल मीडिया पर एक सूचना वायरल हुई कि बिहरा मोड़ के पास एक दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। उन्होंने थाने पर पहुंच कर बताया कि यह बाइक उनके भाई विशाल सिंह कीहै। पुलिस ने अज्ञात वाहन के चालक पर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

धर्मांतरण मामले में डीएम-एसपी को सौंपा गया ज्ञापन

बस्ती। हियुवा नेता विनय सिंह ने मंगलवार को डीएम और एसपी को धर्मांतरण मामले में ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने कहा कि लखनऊ के के.जीएमयू में धर्मांतरण के मामले का खुलासा होने के बाद बस्ती मेडिकल कॉलेज का नाम सामने आया है। आशंका है कि धर्मांतरण के संगठित खेल में कुछ संदिग्ध लोग यहां भी सक्रिय है। आरोप लगाया कि यहां मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे कुछ छात्र-छात्राओं को स्थानीय मौलवियों के साथ मदरसे में नमाज पढ़ने के लिए ले जाया जाता है। छात्रावास के कुछ कमरों में बाहरी मौलवियों को बुलाकर छात्र-छात्राओं को इस्लाम धर्म स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने पुलिस और जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जाए।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग योजना: यूपी में 94 नई फैक्ट्रियां शुरू

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के गांवों में रोजगार के नए अवसर बढ़े हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर ग्राम विजन के तहत मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के माध्यम से प्रदेश में 94 नई उद्योग इकाइयाँ शुरू की गई हैं, जिनमें 648.63 लाख रुपए का निवेश हुआ। छोटे समय में ही इस पहल से 2,586 युवाओं को उनके गांव के पास ही स्थायी और सम्मानजनक रोजगार मिला है।योजना के तहत ग्रामीण युवा 18-50 वर्ष के आयु वर्ग के लिए अपना उद्योग शुरू करने में सक्षम बन रहे हैं। इसके लिए 10 लाख रुपये तक का बैंक ऋण उपलब्ध है। सामान्य वर्ग के लिए सरकार 4: से अधिक का ब्याज स्वयं वहन करती है। जबकि आरक्षित वर्ग एससीध्एसटी,ओबीसी, महिला, अल्पसंख्यक, दिव्यांग के लिए 100 फीसदी ब्याज सरकार द्वारा चुकाया जाता है। सामान्य वर्ग को 10, आरक्षित वर्ग को 5 प्रतिशत निवेश करना होता है।लाभार्थियों का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाले जिला स्तरीय टास्क फोर्स के माध्यम से किया जाता है, जिससे योजना पूरी तरह भ्रष्टाचार मुक्त रहती है।

साहब! सीवर लाइन का मुहाना बंद होने से आता है गंदा पानी

अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएं, दिए निराकरण के निर्देश

■ ग्वालियर

निगम में आयोजित जनसुनवाई के दौरान वार्ड 25 लाल साहब की बगीचा कॉलोनी के निवासियों ने अपर आयुक्त प्रदीप तोमर को बताया कि मुख्य सीवर लाइन के मुहाना बंद होने से सीवर भरने से नलों में गंदा पानी आ जाता है, इसलिए सीवर लाइन की सफाई कराने की मांग पर संबंधित अधिकारियों को सुधार के निर्देश दिए गए।

मंगलवार को सिटी सेंटर निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान वार्ड 61 मॉडल टाउन के निवासियों ने बताया कि कॉलोनी में एमके सिटी के पीछे जो कॉलोनी है उनके 10-12 गटर पूर्णरूप से टूटे है। जिसकी वजह से गंदगी एवं गंदा पानी सड़क पर बहता है, वार्ड 3 शब्द प्रताप आश्रम निवासी जिनेन्द्र राजपूत ने बताया कि घर के सामने से निकले सार्वजनिक नाले को कुछ व्यक्तियों द्वारा बंद किया जा रहा है, जिस कारण बरसात में क्षेत्र में जल भराव की समस्या उत्पन्न होगी। जिस पर अपर आयुक्त ने कुछ समस्याओं का निराकरण त्वरित करते हुए समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

जल सुनवाई में आईं 25 से ज्यादा शिकायतें

शहर में दूषित जल की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए मंगलवार से शुरु की गई जल सुनवाई के दौरान विभिन्न वार्डों से 25 से अधिक शिकायतें आईं। जिनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई।

जमीन विवाद के मामले पहुंच रहे, पीड़ितों ने की कार्रवाई की मांग

जिले में भले ही भू माफिया पर कार्रवाई को लेकर दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत तो यह है कि भू माफिया सिर्फ शासकीय जमीन पर ही नहीं बल्कि आमजन की जमीनों पर भी कब्जा कर रहे हैं। मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में भू माफिया से परेशान लोग पहुंचे। गदाईपुरा निवासी प्रदीप गुप्ता ने शिकायत की उन्होंने दुर्गापुरी कॉलोनी में 1200 वर्गफुट का प्लॉट विधिवत रजिस्ट्री व बैंक लोन के माध्यम से क्रय किया है। बावजूद इसके भू-माफिया बताए जा रहे घनटोली वैश्य, रानी प्रजापति एवं किशोरी तोमर द्वारा उनसे पैसे की मांग की जा रही है और प्लॉट पर काम करने से रोका जा रहा है। आरोप है कि काम के दौरान गाली-गलौज, धमकी दी गई और आत्मदाह की कोशिश का नाटक कर दबाव बनाया गया। पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी और बेटी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, ऐसे में उसे झूठे मामलों में फंसाने का डर है।

इसी तरह ग्राम गुठीना निवासी कृपाराम ने बताया कि उनकी भूमि पर अवैध कब्जा हटाने का आदेश तहसीलदार द्वारा पारित किया जा चुका है, लेकिन राजस्व अमले द्वारा आज तक आदेश का पालन नहीं कराया गया। कब्जा आज भी बना हुआ है। इसके अलावा जनसुनवाई में जल-सुनवाई भी हुई। कलेक्टर ने इन सभी समस्याओं को समयबद्ध कार्यक्रम के तहत निराकृत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. रईखेड़ा इंडिया कप के लिए बने रेफरी

ग्वालियर। हरियाणा के सोनीपत में आयोजित इंडिया कप पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में

ग्वालियर के डॉ. सत्येंद्र सिंह रईखेड़ा रेफरी की भूमिका में नजर आएंगे। उन्हें यह जिम्मेदारी नेचरूल स्ट्रांग पावर लिफ्टिंग फेडरेशन (एनएसपीएफ) ने दी है। एनएसपीएफ द्वारा सोनीपत की द एक्जोटिक जिम में 17-18 जनवरी को आयोजित इंडिया कप में देशभर से खिलाड़ी विभिन्न वजन वर्ग में चुनौती पेश करेंगे। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए जुगल किशोर ने देशभर के अनुभवी 15 सदस्यीय ऑफिशियल टीम में मप्र से इकलौते अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टर डॉ. सत्येंद्र सिंह रईखेड़ा को रेफरी की जिम्मेदारी सौंपी है।

इंटक चौपाटी की दुकानों को खरीदने की तिथि 10 दिन बढ़ी

ग्वालियर। हजीरा इंटक मैदान में चौपाटी की 25 दुकानों के लिए ऑनलाइन टेंडर क्रय करने की तिथि को 10 दिन बढ़ा दी गई है। अब 23 जनवरी तक ऑनलाइन टेंडर क्रय किए जा सकते हैं। नोडल अधिकारी राजस्व अनूप लिटोरिया ने बताया कि हजीरा इंटक मैदान चौपाटी की 25 दुकानों के लिए ऑनलाइन टेंडर क्रय करने की 12 जनवरी नियत की गई थी। जिसमें अंतिम तिथि में 10 दिवस की वृद्धि की जाकर 23 जनवरी की गई है। जिस किसी को भी दुकानों के लिए टेंडर क्रय करना

सुबोध सिंह शिक्षक कांग्रेस के संभागीय महामंत्री नियुक्त

ग्वालियर। मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस संगठन के प्रदेश महामंत्री

एवं संभागीय अध्यक्ष संभाग ग्वालियर ने सुबोध सिंह कुशवाह उमाशि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जीवाजी राव को संभागीय महामंत्री नियुक्त किया है। श्री कुशवाहा के संभागीय महामंत्री बनाए जाने पर शिक्षकों एवं पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। वहीं अपने मनोनयन पर श्री कुशवाह ने संगठन के प्रदेश अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी, किशन रजक प्रमुख महामंत्री, राजीव पाठक प्रदेश महामंत्री का आभार व्यक्त किया है।

ग्वालियर में होंगे सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम

ग्वालियर। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के निर्देश पर राज्य के नौ जिलों को चयनित कर उनमें सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से सड़क सुरक्षा को मजबूत करना है। चयनित जिलों में ग्वालियर, छिंदवाड़ा, धार, इंदौर, जबलपुर, खरगोन, रीवा, सागर, सतना शामिल हैं। कार्यक्रम में दो प्रकार के स्वयंसेवक शामिल होंगे। सामान्य स्वयंसेवक जो जागरूकता फैलाएंगे और दुर्घटना के समय प्रथम प्रतिक्रिया में मदद करेंगे।

केबल चोरी का खुलासा

छह गिरफ्तार, 19 लाख रुपए का माल बरामद

■ ग्वालियर

रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में लगने वाले महंगे सामान की चोरी कर उसे बाजार में खपाने वाले गिरोह का शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) नैरोगेज ने खुलासा किया है। इस मामले में जीआरपी ने छह लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 19 लाख 13 हजार रुपए का चोरी का सामान और 26 हजार 200 रुपए नकद बरामद किए हैं। हैरानी की बात यह है कि पकड़े गए आरोपियों में दो लोग उसी ठेकेदार कंपनी के कर्मचारी हैं, जो स्टेशन पुनर्विकास का काम कर रही थी। जीआरपी नैरोगेज थाना प्रभारी दीपशिखा सिंह तोमर ने बताया कि 17 दिसंबर को स्टेशन पुनर्विकास प्रोजेक्ट में कार्यरत केपीसी कंपनी के सीनियर स्टोर ऑफिसर होतम सिंह रावत ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया गया था कि कंपनी के स्टोर से करीब 30 लाख रुपए की केबल, एल्युमिनियम सहित अन्य कीमती सामान चोरी हो गया है। इस पर जीआरपी ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान कंपनी के ही दो कर्मचारियों नागेंद्र राजू निवासी आंध्रप्रदेश और अतीक अहमद निवासी चंदौली (उत्तर प्रदेश) की भूमिका संदिग्ध पाई गई। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों ने स्वीकार किया कि वे स्टोर से सामान निकलवाकर स्थानीय कबाड़ कारोबारियों को बेचते थे। इस चोरी में ट्रांसपोर्ट नगर और बहोड़ापुर क्षेत्र के कुछ लोग भी शामिल थे। इसके बाद जीआरपी ने मुखबिरों की सूचना पर बीर अदलक्खा निवासी जिला बारां (राजस्थान), राकेश गुप्ता निवासी ठाकुर मोहल्ला चंदन नगर ग्वालियर, रहीश खान निवासी गैस गोदाम सागरताल ग्वालियर और लक्ष्मण ओझा निवासी मोतीझील को गिरफ्तार किया। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने ट्रांसफार्मर पावर सप्लाई की 12 ड्रम इलेक्ट्रिक केबल, 11 बोरे छिले हुए एल्युमिनियम तार सहित 19 लाख 13 हजार 200 रुपये का सामान जब्त किया। जीआरपी ने सभी आरोपितों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि चोरी का यह नेटवर्क कितने समय से सक्रिय था और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

जोन कार्यालय में गंदगी व तीन कर्मचारी गायब मिले

निगमायुक्त ने जोन-12 का किया औचक निरीक्षण

■ ग्वालियर

निगम के क्षेत्रीय कार्यालयों में उपस्थिति व सफाई व्यवस्था देखने के लिए निगमायुक्त संघ प्रिय जोन 12 के औचक निरीक्षण पर पहुंचे, जहां उन्हें जोन कार्यालय में गंदगी व तीन कर्मचारी गायब मिले। जिसके बाद उन्होंने उपस्थिति को समयबद्ध करने के लिए आधार बेस सिस्टम से अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए। साथ ही कर संग्रहकों को संपत्तिकर वसूली को लेकर लक्ष्यानुरूप वसूली के निर्देश दिए।

मंगलवार को निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने नामांतरण प्रकरणों की जानकारी लेकर संबंधित कर संग्रहक को नामांकन के प्रकरणों को समय सीमा में निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। इसके बाद ब्रिगेड पानी की टंकी के नीचे स्थित दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के डिपो पर डोर टू डोर वाहनों के निकलने के समय की जानकारी ली। वहीं स्मार्ट सिटी द्वारा सेकंड बटालियन कंपू पर स्थित पुरानी बावड़ी पर जारी संरक्षण व पुनर्निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी लेकर बावड़ी की साफ सफाई का कार्य-संरक्षण के कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि स्मार्ट सिटी द्वारा 97 लाख से तीन प्रमुख बावड़ियों का संरक्षण व पुनर्निर्माण कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी कृतिका विश्वकर्मा, पीएचई के उपयंत्री महेन्द्र सूर्या, इंजीनियर अभिषेक त्रिपाठी उपस्थित रहे।

ईडब्ल्यूएस जांच दल गठित, हो रहा भौतिक सत्यापन

नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के एएचपी घटक योजना अंतर्गत ईडब्ल्यूएस के भौतिक सत्यापन हेतु नगर निगम द्वारा जांच दल गठित किया गया है। दल द्वारा प्रत्येक ईडब्ल्यूएस आवास एवं हितग्राही का सर्वे कर मूल हितग्राही के आधिपत्य के संबंध में जांच व सत्यापन रिपोर्ट दी जाएगी। कार्यपालन यंत्री पवन सिंघल ने बताया कि हितग्राही अन्य किसी को 10 वर्षों तक आवास को न तो बिक्रित कर सकता है और न ही दस्तावेजों में बदलवा सकता है। प्रत्येक हितग्राही का पंजीकरण केन्द्र शासन के पीएमएवाय पोर्टल पर है और पोर्टल में पंजीकृत हितग्राही का विवरण बदलना संभव नहीं है। आवेदकों की रजिस्ट्री कराने से पूर्व पति एवं पत्नी के आधार कार्ड से शासन के पोर्टल पर एमआईएस होने के उपरांत रजिस्ट्री कराना सुनिश्चित किया जाता है।

आकांक्षा ने दी मनमोहक प्रस्तुति

■ ग्वालियर

सिंधु सोशल वेलफेयर सोसाइटी का पारिवारिक नववर्ष मिलन समारोह इम्पीरियल गोल्फ रिसॉर्ट में संपन्न हुआ। जिसमें प्रसिद्ध गायिका आकांक्षा शेट्टी ने अपने गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी। जिसमें उनका साथ नितेश शेट्टी ने दिया। सोसाइटी के अध्यक्ष कमल माखीजानी ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर सभी ने गीतों पर नृत्य कर वातावरण को मनोरंजक बना दिया। लकी ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार शनि हुतवानी को 11 हजार, दूसरा पुरस्कार गिरधारी वाधवानी एवं तीसरा पुरस्कार मोंटी रहेजा को मिला। संचालन सचिव संगीत पारप्यानी ने किया। इस अवसर पर पीतांबर लोकवानी, डॉ. रमेश पंजवानी, दिलीप पंजवानी, दिलीप गेही, महेश गुलवानी, सुभाष खुशीरामानी, गिरधारी वाधवानी, नवीन तलरेजा, डॉ. दीपक माखीजानी, डॉ. हरीश खुशीरामानी, डॉ. हर्ष सुखवानी, गोपाल छाबड़ा, श्याम रोहिरा, सुरेश आहूजा, राजेश जयसिंघानी, सुनील रोहरा, जय जयसिंघानी, संजय भवानी, दिलीप गंगवानी आदि उपस्थित रहे।

विधायक ने किया विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन

ग्वालियर। ग्वालियर पूर्व से कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने मंगलवार को वार्ड क्रमांक 60 के अंतर्गत आने वाले डॉ. भीमराव अम्बेडकर पार्क में बाउण्ड्री वाल एवं सी.सी. फर्श निर्माण कार्य के लिए क्षेत्रीय पार्षद केदार बरहादिया के साथ भूमिपूजन किया। यह निर्माण कार्य करीब 23 लाख रूपए से कराया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय नागरिकों ने विधायक डॉ. सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। विधायक डॉ. सिकरवार ने लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिए। भूमिपूजन कार्यक्रम में डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क के अध्यक्ष महाराज सिंह कौशल, ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जैन, लाल किशन ठेकेदार, केवल सिंह, अमर सिंह, केशव सिंह यादव, नरोत्तम सिंह, मनोज पाल, मलखान सिंह, धन सिंह, हरिश्चंद्र अस्थाना, मानसिंह गोयल, निलेश कुमार एवं हुरावली क्षेत्र के सम्मानित निवासीगण उपस्थित रहे।

महिलाओं ने हाथ से बनी वस्तुओं के लगाए स्टॉल

ग्वालियर। नारी कल्याण उद्योग सहकारी समिति के तत्वावधान में गत दिवस तीन दिवसीय मकर संक्रांति महोत्सव का समापन नारी कल्याण परिसर खासगी बाजार में हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री श्रीमती खुशबू गुप्ता रहीं। इस मौके पर उन्होंने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। इस हाट बाजार में महिलाओं द्वारा हाथ से बनी वस्तुओं के स्टॉल लगाए गए जिसे लोगों द्वारा बेहद पसंद किया गया। इस महोत्सव में नारी कल्याण उद्योग सहकारी समिति ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए थैले सिलने का कार्य आरंभ किया। इस अवसर पर पार्षद अपर्णा पाटिल, अलका शुक्ला, वासवदता अग्निहोत्री, रजनी खेडकर आदि उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री के सामने भी उठ चुका है मामला

महंगी सरकारी जमीन पर कब्जा अपर आयुक्त आज करेंगे जांच

■ ग्वालियर

वार्ड क्रमांक 53 हेम सिंह की परेड स्थित पानी की टंकी के पास सरकारी जमीन पर कब्जे के मामले को नगर निगम ने गंभीरता से लिया है। निगमायुक्त संघ प्रिय ने इस पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश अपर आयुक्त प्रदीप तोमर को दिए हैं। अपर आयुक्त मौके पर पहुंचकर तथ्यों की जांच करेंगे। यदि पार्क की दीवार में गेट बनाकर अवैध कब्जा किया गया है और वहां वाहन पार्क किए जा रहे हैं, तो संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।दरअसल हेम सिंह की परेड में वर्ष 2013 में पानी की टंकी का निर्माण किया गया था। टंकी के ठीक बगल में पार्क और एक मंदिर बना हुआ है। आरोप है कि इसी पार्क की सरकारी जमीन पर कब्जा करने की नीयत से मंदिर के पास दीवार में गेट बना दिया गया। इस गेट के जरिए शरारती तत्व पार्क के भीतर घुस जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय यहां पार्टियां होती हैं और वाहन भी पार्क किए जाते हैं। लगातार विरोध के बावजूद दीवार में बना यह गेट अब तक नहीं हटाया गया है। बताया जा रहा है कि जिस जमीन पर कब्जे की कोशिश हो रही है, उसकी कीमत करीब 10 हजार रुपए प्रति वर्गफीट है। इतनी महंगी जमीन पर दुकानें बनाने की तैयारी की जा रही है। इससे न सिर्फ पार्क का अस्तित्व खतरे में है, बल्कि पानी की टंकी की सुरक्षा भी सवालों के घेरे में आ गई है। बता दे कि एक दिन पहले पानी की टंकी के पास पार्क पर हो रहे कब्जे का मुद्दा प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट की बैठक में भी उठ चुका है। प्रभारी मंत्री ने इसे गंभीर बताते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए थे। निगमायुक्त संघ प्रिय ने भी कार्रवाई का आश्वासन दिया था। अब अपर आयुक्त की जांच रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

वेस्ट जोन चैंपियनशिप के खिताब पर मुंबई का कब्जा

■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय की मेजबानी में आयोजित वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025-26 का समापन समारोह मंगलवार को हुआ। समापन अवसर पर आईटीएम के रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, प्रो. इंदु मजूमदार, एआईयू ऑब्जर्वर प्रोफेसर डॉ. एसके यादव, बैडमिंटन कोच अंकित आर्य, नीरज गुर्जर सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए खिलाड़ी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स एजुकेशन के विभागाध्यक्ष डॉ. विपिन तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन आईटीएम की मेजबानी में किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र एवं गोवा के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की लगभग 140 टीमों के खिलाड़ियों ने सहभागिता की। चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई और देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय, इंदौर के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और वेस्ट जोन चैंपियनशिप अपने नाम की।

हिंदू सम्मेलन में एकजुटता का आह्वान

संगठित होकर निस्वार्थ भाव से करें राष्ट्रहित में कार्य : कुशवाह

■ ग्वालियर

जब हिंदू समाज बिना किसी स्वार्थ के एकत्रित होकर एक दिशा में आगे बढ़ता है, तो उसका परिणाम निश्चित रूप से दिखाई देता है। इसका एक उदाहरण राममंदिर निर्माण है। जब संपूर्ण हिंदू समाज ने एकजुट होकर संकल्प लिया, तब वर्षों का संघर्ष सफल हुआ और अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हो सका। इसी प्रकार हिंदू समाज राष्ट्रहित में निरंतर कार्य करे।

यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग के सह कार्यवाह मुनेंद्र कुशवाह ने मंगलवार को दौलतगंज बस्ती के हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। गिर्राज धर्मशाला में संत सच्चिदानंद नाथ ढोलीबुआ महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश चन्द्र अग्रवाल, विशेष अतिथि रमा अवस्थी थीं। रमा अवस्थी ने पंच परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि समाज नागरिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, स्व बोध, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन को अपनाए, तो राष्ट्र और समाज दोनों सशक्त बन सकेंगे। अन्य वक्ताओं ने भी हिंदू समाज से एकजुट होने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन हरिदास अग्रवाल ने किया।

जीवन दर्शन है पंच परिवर्तन

वहीं पाटई में संत सीताराम महाराज के सानिध्य में हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता समाजसेवी गिरिराज दानी एवं विशेष अतिथि योजना शुक्ला थीं। अतिथियों ने कहा कि पंच परिवर्तन केवल एक विचार नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाला जीवन दर्शन है। इसके अंतर्गत सामाजिक समरसता, स्व बोध, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार शामिल है। यदि प्रत्येक नागरिक अपने जीवन में इन मूल्यों को अपनाए,तो देश को किसी बाहरी सहारे की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

हिन्दू सम्मेलन के लिए किया भूमि पूजन

निम्बालकर की गोठ नं. 2 बस्ती में 18 जनवरी को आयोजित हिंदू सम्मेलन के लिए भूमि पूजन राम नारायण विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति घर-घर संपर्क कर रही है।

अपर आयुक्त ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

ग्वालियर। अपर आयुक्त प्रतीक राव ने शहर में जारी विकास कार्यों की जमीनी हकीकत मौके पर पहुंचकर देखी। जिसके चलते अपर आयुक्त द्वारा वार्ड 56 में मुड़िया पहाड़ क्षेत्र में विभिन्न गलियों का निर्माण, वार्ड 25 में राघवपुरम की गलियों में भी सीसी रोड निर्माण कार्य किया गया है, जिसका निरीक्षण किया। इसके पश्चात वार्ड 21 तरूण विहार कॉलोनी में जल भराव की समस्या का निरीक्षण किया, जहां निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके साथ ही क्षेत्र के नागरिकों द्वारा पार्क को विकसित कराने का आग्रह किया गया। जिस पर संबंधित अधिकारियों को पार्क विकसित कराने हेतु निर्देशित किया गया।

ट्रैक्टर और कार में भीषण टक्कर,3 युवक गंभीर रूप से घायल

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक सड़क दुर्घटना हुई। एचपी पेट्रोल पंप गौरा के पास रात करीब 10.30 बजे एक कार और ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवार तीन युवक घायल हो गए। टक्कर के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना पर मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों घायल युवकों को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मोहनलालगंज पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों की पहचान 23 वर्षीय निलेश मिश्रा निवासी अंतु, प्रतापगढ़, 19 साल के नीरज चौबे निवासी बदलापुर, जौनपुर और 26 साल के अमन सोनी निवासी प्रयागराज के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ था, जिसे पुलिस टीम ने शीघ्र ही सामान्य कर दिया। मौके पर कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। पुलिस फरार ट्रैक्टर की तलाश कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन और चालक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मंत्र भारत

ग्वालियर -गुरूवार,15 जनवरी 2026

सम्पादकीय

भाजपा-चीन भाई-भाई

देश को धर्मांधता और राष्ट्रवाद के जहर में डुबोकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पतंगबाजी और डमरू बजा रहे हैं। जनता को फिर भी समझ नहीं आ रहा कि मदारी जैसे खेल दिखाकर दर्शकों को असलियत से भटका देता है, वही काम भाजपा सरकार कर रही है। मदारी तो फिर भी अपनी रोजी-रोटी के लिए यह काम करता है, उसमें पेशे के प्रति ईमानदारी होती है, जो भाजपा की मौजूदा सरकार में सिरे से नदारद दिख रही है। छह साल पहले जून 2020 में गलवान घाटी पर चीन ने अतिक्रमण की कोशिश की थी और इसमें सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों से झड़प हुई, जिसमें कम से कम 20 जवान शहीद हुए थे। उस समय नरेन्द्र मोदी से बिहार चुनाव में बिहार रेजीमेंट के शहीद जवानों के नाम को भुनाया था। आचार संहिता कहती है कि सेना के नाम पर वोट नहीं मांगे जा सकते, लेकिन नरेन्द्र मोदी कहां आचार-विचार की परवाह करते हैं। उन्हें केवल सत्ता और मुनाफा नजर आता है। इसलिए अब जिस चीन को दुश्मन बताकर उसका आर्थिक बहिष्कार करने का ऐलान किया, लाल आंखें दिखाकर डराने का वादा किया, अब उसी चीन की सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से भाजपा और संघ की बाकायदा बैठक हो रही है। इनकी निर्लज्जता और दुस्साहस अब इतना अधिक हो चुका है कि इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर दी जा रही है। भाजपा जानती है कि देश का बिका हुआ मीडिया और चापलूसी में लगे पत्रकार इस बारे में कोई आलोचना नहीं करेंगे। बल्कि अब देश को बताया जाएगा कि चीन से नजदीकी बढ़ाकर प्रधानमंत्री मोदी ने कैसे मास्टर स्ट्रोक चला है। मोदी और जिनपिंग का प्लान, ट्रंप होगा परेशान, जैसी हेडलाइन्स देखने मिलें तो आश्चर्य नहीं।पाठकों को बता दें कि मंगलवार को भाजपा के विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी विजय चौथाई वाले ने एक पोस्ट में जानकारी दी कि सीपीसी के अंतरराष्ट्रीय विभाग (आईडीसीपीसी) की उपमंत्री सुन हैयान के नेतृत्व में सीपीसी प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान भाजपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी के महासचिव अरुण सिंह ने किया। बैठक में भारत में चीनी राजदूत जू फीहोंग भी शामिल हुए। बैठक के दौरान भाजपा और सीपीसी के बीच संचार और संवाद को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। अब ये सवाल भाजपा से पूछा जा सकता है कि आखिर वह किस हैसियत से उस देश की सत्तारुढ़ पार्टी से संचार और संवाद बढ़ाना चाहती है, जो बार-बार हमारी सीमाओं में अतिक्रमण करता है, हमारे इलाकों पर अपना दावा ठोंकता है, और जिसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मदद पहुंचाई? क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा और चीन की पार्टी के बीच हुई बैठक से नावाकिफ थे? अगर नहीं, तो पहले से इस बारे में उन्होंने देश को सूचित क्यों नहीं किया। वैसे प्रधानमंत्री मोदी से अब किसी भी किस्म की ईमानदार पहल की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। क्योंकि गलवान के बाद उन्होंने कहा था कि न कोई घुसा था, न हमारी जमीन गई। जबकि तथ्य है कि चीनी सेना ने हमारी जमीन का अतिक्रमण किया है और अब उसे वापस लेने की मांग शायद भारत सरकार ने छोड़ दी है। देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल हजारों साल पहले के हमलों का बदला लेने के लिए आज के नौजवानों को उकसा रहे हैं, लेकिन अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर रहे। पहले कंधार तक वो आतंकवादियों को छोड़कर आए थे, और अब गलवान, पुलवामा, पहलगाम जैसे बड़े हमलों के बावजूद उनकी कोई पुख्ता रणनीति सामने नहीं आ रही है, जिससे पता चले कि हां वो वाकई धुरंधर है। खैर, भाजपा और चीन अब भाई-भाई हैं, ये बात तो भाजपा ने ही साबित कर दी है। इधर चीन ने अपने अतिक्रमण वाले चरित्र को बरकरार रखते हुए जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी पर अपने क्षेत्रीय दावे को दोहराया है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि यह क्षेत्र चीन का हिस्सा है और 1960 के दशक में पाकिस्तान के साथ सीमा समझौते के तहत यह वैध है। उन्होंने भारत की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि चीन और पाकिस्तान को संप्रभु देशों के रूप में सीमा निर्धारण का अधिकार है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है और 1963 का चीन-पाकिस्तान सीमा समझौता अवैध और अमान्य है। बता दें कि पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों से 5,180 वर्ग किमी भूमि चीन को सौंप दी थी। यानी जिस जमीन पर पाकिस्तान ने जबरन हक जमा रखा है, उसे उसने चीन को सौंपा है और अब दोनों इसे सही बता रहे हैं। लेकिन ये मोदी सरकार की कमजोरी ही है कि जुबानी जमाखर्च से बात आगे नहीं बढ़ रही है। चीन अब शक्सगाम घाटी में सड़क और सैन्य बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है। जो भारत की सुरक्षा के लिए सही नहीं है।सवाल ये है कि क्या गलवान के बाद जैसे मोदी सरकार चुपके से चीन के सामने झुक गई, क्या अब भी वैसा ही होगा। गलवान और पहलगाम के शहीदों के परिजनों पर इस समय क्या बीत रही होगी, ये कल्पना नहीं की जा सकती है।

अमेरिकी मनमर्जी को रोकने के लिए विश्व को एक होना पड़ेगा

1995 में एक फिल्म आई थी, गैंबलर। गोविंदा-शिल्पा शेट्टी अभिनीत इस फिल्म का एक गाना उन दिनों बेहद मशहूर हुआ था, मैं चाहे ये करूं, मैं चाहे वो करूं, मेरी मर्जी निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने ये गाना नहीं सुना होगा, लेकिन उन्होंने हाल ही में न्यूयार्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जो कहा है, उसका भावार्थ कुछ यही निकलता है। उन्होंने कहा है, सिर्फ मेरा दिमाग ही मुझे रोक सकता है। मेरी अपनी नैतिकता और अपना दिमाग। यहीं वे चीजें हैं, जो मुझे रोक सकती हैं। मुझे अंतर्राष्ट्रीय कानून की परवाह नहीं है और न ही इसकी जरूरत। तीन जनवरी को वेनेजुएला में की गई अमेरिकी कार्रवाई के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप का इन शब्दों का प्रयोग करना दुनिया के लिए निश्चित तौर पर डरावना है। ट्रंप और उनकी सोच पारंपरिक लोकतांत्रिक मुखौटाबाज राजनीति से अलग है, लिहाजा वे खुलकर ऐसा कह रहे हैं। लेकिन सुपर पावर के रूप में स्थापित होने के बाद से ही अमेरिका की सोच और कार्यशैली ऐसी ही रही है। अमेरिका की सत्ता में दो ही पार्टियों का वर्चस्व है। चाहे रिपब्लिकन पार्टी हो या फिर डेमोक्रेटिक पार्टी, दोनों के राष्ट्रपतियों की कार्यशैली कम से कम विदेश मामलों में एक जैसी ही रही है। ट्रंप खुलकर अमेरिका फर्स्ट की नीति और नीयत का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरे राष्ट्रपति ऐसा कहने से बचते रहे हैं। हां, उनके भी कदम हमेशा ऐसा ही रहे हैं। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई हो, खाड़ी युद्ध हो, सूडान स्थित अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमले के बाद अमेरिकी कार्रवाई हो, वियतनाम का युद्ध हो, ईरान पर कार्रवाई हो, हर जगह अमेरिका अपने हितों की रक्षा के लिए कार्रवाई करता रहा है। बेशक उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी है। हाल ही में ट्रंप के पूर्व राष्ट्रपति रहे डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन की सेनाएं अफगानिस्तान छोड़कर भाग खड़ी हुईं। वियतनाम का युद्ध लंबा चला था। इसे शुरू किया था डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने और जब अमेरिका वियतनाम युद्ध में फंसता नजर आया तो रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन ने सेनाओं की वापसी कराई। कुवैत पर जब इराकी तानाशाह सद्दाम हुसैन ने हमला किया, तब जार्ज बुश सीनियर राष्ट्रपति थे। अमेरिका में एक धारणा रही है कि कुवैत पर कब्जे की कार्रवाई इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन ने अमेरिकी इशारे पर ही की थी। लेकिन जब मामला उल्टा पड़ गया तो जॉर्ज बुश सीनियर ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों की आड़ में ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों के साथ गठबंधन करके सैनिक कार्रवाई शुरू की। 1990 में अमेरिकी कार्रवाई के चलते इराकी गार्ड को कुवैत को खाली करना पड़ा। इसके बाद इराक अमेरिका का कट्टर दुश्मन बन गया। वैसे लंबे समय तक चले ईरान-इराक युद्ध के पीछे भी अमेरिकी हित काम कर रहे थे। तब दुनिया दो धुवीय थी। एक तरफ सोवियत संघ की अगुआई में विश्व का एक बड़ा हिस्सा काम कर रहा था तो दूसरी ओर अमेरिकी अगुआई में ज्यादातर नाटो देश सक्रिय थे। अफगानिस्तान में जब पिछली सदी के अस्सी के दशक में सोवियत सेनाएं घुसीं, तब सोवियत संघ को काबू करने के लिए अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान का उपयोग किया और एक तरह से पाकिस्तान को अपना अघोषित उपनिवेश बना लिया। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 1965 और 1971 के युद्धों में अमेरिका में चाहे जिसकी भी सरकार रही हो, अमेरिकी सेनाओं और सरकार ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान का साथ दिया और भारत का विरोध किया। साल 2024 में हुए बांग्लादेश में विद्रोह और शेख हसीना के तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के हाथ को लेकर संदेह जताया जाता है। साल 2010 के दिसंबर में ट्यूनिशिया में शुरू हुई पिंक क्रांति, जिसे अरब क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, की बुनियाद पर अरब देशों में कार्रवाई करने और तख्तापलट के पीछे भी अमेरिकी एजेंसियों के सहयोग को देखा जाता है। अमेरिकी एजेंसियों की ही शह पर लीबिया से गद्दाफी की विदाई हुई, सीरिया अब भी जल रहा है। निश्चित तौर पर अमेरिकी प्रतिकार में शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ कभी प्रत्यक्ष तो कभी परोक्ष काम करता था, अब दुनिया की दूसरे नंबर की आर्थिक महाशक्ति बन चुका चीन कर रहा है। हाल ही में वेनेजुएला के जिन मादुरो की सत्ता को अमेरिकी सेनाओं ने पलट दिया, उन्हें चीन का खुला समर्थन मिल रहा था। शीत युद्ध के दिनों में सोवियत संघ और उसकी सेना ऐसे हालात में अमेरिकी सेनाओं का परोक्ष विरोध करती थी, वैसा चीन नहीं कर पाया। कह सकते हैं कि अमेरिका में हर सत्ता ने वैश्विक ताकत क्रम में खुद को सर्वोच्च बनाए रखने के लिए अपने हिसाब से दादागिरी दिखाई है। कभी यह दादागिरी अमेरिकी हितों के नाम पर हुई तो कभी दुनिया में लोकतंत्र की स्थापना के नाम पर। कहने के लिए अमेरिका लोकतंत्र का सबसे बड़ा पहरूआ बनता है, लेकिन अमेरिकी हितों, कारोबारियों और हथियार लॉबी के हित में अक्सर वह गैर लोकतांत्रिक तरीके से कार्रवाई करता है। दुनिया का आधुनिक इतिहास इससे भरा पड़ा है। वेनेजुएला इसका ताजा उदाहरण है। ट्रंप जिन अंतरराष्ट्रीय कानूनों को अपने हिसाब से मानने या न मानने की बात कर रहे हैं, दरअसल उन्हें बनाने और संशोधित करने में सबसे ज्यादा योगदान अमेरिका का ही रहा है। विश्व में जब भी कहीं वेनेजुएला जैसी घटना होती है, तब जिनेवा समझौते और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का बहुत जिक्र होता है। दरअसल उन्नीसवीं सदी के मध्य तक दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए युद्धबंदियों और सैनिकों और युद्धग्रस्त देशों के लोगों को लेकर शत्रु देशों की ओर से की जाने वाली अमानवीय कार्रवाई को रोकने के लिए ना तो कोई कानून था और इसे लेकर कोई प्रयास हुआ था। साल 1864 में पहली बार युद्ध के वक्त घायलों की मदद युद्धरत देशों के बीच बातचीत के लिए रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट ने कोशिश की। यही कोशिश पहले जेनेवा समझौते के रूप में सामने आई।

भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ससंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया।

अमेरिका-यूरोप के गठजोड़ में टूट का हम फायदा उठाएं

मिन्हाज मर्चेंट

डेनमार्क के सम्प्रभु क्षेत्र ग्रीनलैंड पर ट्रम्प की हमले की धमकी ने नाटो के सदस्य देशों के बीच सैन्य टकराव का खतरा पैदा कर दिया है। 32 सदस्यीय नाटो गठबंधन के अनुच्छेद-5 के तहत यदि किसी सदस्य देश पर हमला हो तो दूसरे सदस्यों को उसकी रक्षा करनी होती है। हालांकि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे नाटो सदस्य अमेरिका से टकराने का जोखिम शायद ही उठाएंगे। लेकिन आखिर अमेरिका को ग्रीनलैंड क्यों चाहिए? क्योंकि इस आर्कटिक द्वीप की तीन बड़ी खूबियां हैं। पहली, आर्थिक रू ग्रीनलैंड में पर्याप्त तेल और खनिज भंडार हैं। दूसरी, सुरक्षागत रू ग्रीनलैंड रूसी और चीनी नौसेनाओं तथा उनके लड़ाकू विमानों पर लगतार निगरानी रख सकता है, क्योंकि वे लगातार इस द्वीप के ऊपर से गुजरते हैं। तीसरी, लॉजिस्टिक्स सम्बंधी रू ग्रीनलैंड यूरोप व एशिया के बीच कम समय लेने वाले आर्कटिक समुद्री मार्ग मुहैया कराता है। ये व्यापार के साथ भविष्य के सैन्य अभियानों के लिए भी अहम है। ट्रम्प कहते हैं कि अमेरिका ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करेगा, चाहे सख्त रास्ता ही क्यों ना अपनाना पड़े। यूरोपीय देश इससे चिंतित हैं। ग्रीनलैंड की आबादी मात्र 57 हजार है, लेकिन उसके लोग अमेरिका का हिस्सा बनने के खिलाफ हैं। 18वीं सदी से ही ग्रीनलैंड डेनमार्क के अधीन है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने अपना रुख साफ कर दिया है कि ग्रीनलैंड पर बलपूर्वक कब्जे की कोशिश नाटो के अंत की घोषणा होगी। नाटो के सदस्य अन्य यूरोपीय नेताओं ने भी फ्रेडरिक्सन का समर्थन किया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि ग्रीनलैंड का भविष्य वहां के लोगों और डेनमार्क द्वारा ही तय किया जाएगा। लेकिन ट्रम्प ने यूरोप की आपत्तियां खारिज कर दी हैं। उन्हें तो अमेरिका-यूरोप गठबंधन के संभावित विघटन की भी ज्यादा चिंता नहीं है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही पश्चिम के तमाम भू-राजनीतिक सिद्धांतों का आधार रहा है। ट्रम्प के लिए अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्र वाले पश्चिमी गोलार्ध का महत्व अटलांटिक महासागर के पार वाले पुराने यूरोप से कहीं अधिक है। भू-भागों पर जबरन कब्जा करने का अमेरिका का लंबा इतिहास रहा है। अमेरिका में आए शुरूआती ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने वहां सदियों से रह रहे मूल अमेरिकियों से उनकी जमीन हथिया ली थीं। आजादी के बाद अमेरिका ने 1846-48 में मैक्सिको से युद्ध लड़ कर कैलिफोर्निया और टेक्सास समेत उसकी आधी भूमि कब्जा ली थी। उससे पहले 1803 में अमेरिका ने फ्रांस से लुइसियाना और 1867 में रूस से अलास्का खरीद लिया था। ऐसे में ग्रीनलैंड पर कब्जा करना भी उसके औपनिवेशिक डीएनए का ही हिस्सा है। अमेरिका और यूरोप के बीच ऐतिहासिक रिश्तों का कमजोर होना भारत के लिए भू-राजनीति के नए विकल्प खोलता है। 2030 तक भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। भारत का 60 करोड़ मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं का बाजार अमेरिका और ईयू के कुल उपभोक्ता बाजार से भी बड़ा है। चीन में अहम तकनीकी उद्योगों से बहिष्कृत और अमेरिका में भारी टैरिफ का सामना कर रहीं यूरोपीय कंपनियों के लिए भारत का यह विशाल बाजार एक आकर्षक पेशकश करता है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं की खरीद-क्षमता अभी सीमित है, लेकिन उनकी खर्च योग्य आय अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के उपभोक्ताओं की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। आज जब ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका-यूरोप का पश्चिमी गठबंधन टूट रहा है तो भारत को इस मौके का फायदा उठाते हुए 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में कस्टम ड्यूटी में और छूट देनी चाहिए। जरूरत इस बात की है कि इस निर्णायक दौर में आर्थिक सुधारों की रफ्तार और तेज कर दी जाए। आज जब ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप का पश्चिमी गठबंधन टूट रहा है तो भारत को इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। हम आगामी 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में कस्टम ड्यूटी में और छूट दे सकते हैं।

सऊदी अरब और यू.ए.ई. के बीच तनाव भारत के लिए क्यों मायने रखता है?

के.पी. नायर

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का घनिष्ठ मित्रतापूर्ण संबंधों से प्रतिद्वंद्वी बनने का परिवर्तन नई दिल्ली के लिए सतर्कता की मांग करता है। भारत-कनाडा संबंधों में बरती गई लापरवाही या 2024 में डोनाल्ड ट्रम्प के अमरीकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने के बाद से भारत-अमरीका के बीच औपचारिकता की पूर्ण कमी को खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) के सदस्य देशों में नहीं दोहराया जाना चाहिए। पिछले 10 वर्षों में भारत की कूटनीति के लिए संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ संबंधों का विस्तार एक शानदार सफलता रही है। लेकिन जैसा कि बंगलादेश ने पिछले साल दिखाया, विदेश नीति कभी स्थिर नहीं होती। पहले भारत इन नव-धनी देशों में बन रही विशाल, पैट्रोडॉलर-वित्त पोषित निर्माण परियोजनाओं, जैसे आवास से लेकर रिफाइनरियों तक, के लिए बड़ी संख्या में गैर-राजनीतिक और भरोसेमंद श्रम का स्रोत मात्र था। भारत अब एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था है, न कि मध्य स्तर का विकासशील देश। खाड़ी देशों में तेजी से बदलती परिस्थितियों की भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। भारत में पहले समय की परिस्थितियां खाड़ी देशों की परिस्थितियों के अनुकूल नहीं थीं, सिवाय भारत की आयाओं, भारवाहकों, रसोइयों और चालकों (जिन्हें स्थानीय रूप से ए.बी.सी.डी. कहा जाता था) के लिए काम तलाशने के। संयुक्त अरब अमीरात में 45 लाख

भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो अमरीका में रहने वाले मूल भारतीयों की संख्या के बाद दूसरे स्थान पर है। सऊदी अरब लगभग 28 लाख भारतीयों के साथ विश्व में तीसरे स्थान पर है। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब मिलकर भारत में सबसे अधिक धन प्रेषण का स्रोत हैं। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ा योगदान जी.सी.सी. देशों का है। भारत का रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार लगभग पूरी तरह से आबू धाबी से प्राप्त कच्चे तेल से बना है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के संबंधों में आई इस गंभीर गिरावट का तात्कालिक कारण यमन को लेकर दोनों देशों का अलग-अलग दृष्टिकोण है। मार्च, 2015 से दोनों देशों ने सना में विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करने के लिए मिलकर लड़ाई लड़ी, जिसे ईरान के समर्थन से हौथियों ने उखाड़ फैंका था। चार साल बाद, जब संयुक्त अरब अमीरात की मौतें बढने लगीं, तो उसने यमन में अपनी सैन्य उपस्थिति कम करनी शुरू कर दी। दूसरी ओर, सऊदी अरब को उतने लोगों का नुकसान नहीं हुआ क्योंकि उन्होंने हौथियों पर हमले हवाई बमबारी तक ही सीमित रखे। सहानुभूति जताते हुए, यू.ए.ई. के पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर स्थापित खलीफा फाऊंडेशन चौरिटी ने घायल यमनी लोगों को इलाज के लिए भारतीय अस्पतालों में विमानों से भेजा। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले कोएलिशन ऑफ द विलिंग के विघटन के बाद, संयुक्त अरब अमीरात ने अदन में एक अलगाववादी समूह-दक्षिणी संक्रमणकालीन परिषद (एस.टी.सी.) को अपना प्रतिनिधि बना लिया। सऊदी अरब एक एकीकृत यमन चाहता है, जो उसकी कानूनी सरकार के अधीन हो।पिछले सप्ताह, राष्ट्रीय राजधानी में स्थित यू.ए.ई. समर्थित एस.टी.सी. ने व्यावहारिक रूप से उस पूरे क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया था, जो पूर्व में दक्षिण यमन कहलाता था। सऊदी अरब के समर्थन से सना से किए गए हमलों के बाद अदन स्थित इस क्षेत्र का मुख्य हवाई अड्डा बंद कर दिया गया था। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सूडान को लेकर भी आमने-सामने हैं। दक्षिण सूडान गणराज्य में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यू.एन.एम. आई.एस.एस.) में 2306 भारतीय सैनिक तैनात हैं। सूडान और दक्षिण सूडान के बीच विवादित क्षेत्र अबेई के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (यू.एन.आई. एस.एफ.ए.) में 506 भारतीय शांति सैनिक भी हैं। यदि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात अपने-अपने सहयोगियों को हथियारों की आपूर्ति और वित्तीय सहायता बढ़ाते हैं, तो उन्हें खतरा होगा। ओ.एन.जी.सी. विदेश लिमिटेड ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा रणनीति के तहत अविभाजित सूडान के तेल उद्योग में 2.3 अरब डॉलर का निवेश किया था। यह निवेश अब दोनों सूडानों में

हरियाणा का भूजल-संकट

निस्संदेह, हरियाणा ने कृषि की उन्नति में नये मानक स्थापित किए हैं। देश की खाद्य सुरक्षा में इस राज्य के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। कृषि क्षेत्र में कारगर रणनीतियों व आधुनिक तकनीकों ने हरियाणा के किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव किया है। लेकिन इससे इतर एक चिंताजनक स्थिति यह है कि राज्य में भूजल संकट एक खतरनाक स्तर को पार कर रहा है। बताया जा रहा है कि राज्य के तीस फीसदी से अधिक गांव भूजल संकट के खतरे की जद में हैं। विडंबना यह है कि इन क्षेत्रों में भूजल का दोहन पुनर्भरण से कहीं अधिक है। जो राज्य में चेतावनी के संकेत स्पष्ट कर रहे हैं। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में व्यापक बदलाव आया है। जिस अनियमित बारिश को कभी मौसमी समस्या माना जाता था, वह अब एक संरचनात्मक संकट में बदल गयी है। निश्चित रूप से मानसून व बारिश की आवृत्ति में अनिश्चितता के चलते कृषि, पेयजल सुरक्षा व दार्घकालिक आर्थिक स्थिरता के लिये खतरा पैदा हो गया। बारिश की कमी की पूर्ति भूजल के अंधाधुंध दोहन से की जाती है। वैसे इस संकट के मूल में समस्या की वजह पानी की अत्यधिक खपत करने वाला विकास मॉडल भी है। पिछले दशकों में धान व गेहूं की उत्पादकता पर किसानों की निर्भरता अत्यधिक बढ़ी है। जिसमें बहुत सिंचाई की जरूरत होती है। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक समीकरणों के चलते किसानों को लुभाने के लिये मुफ्त या रियायती बिजली का चलन भी बढ़ा है। जिससे भूजल के अंधाधुंध दोहन को बढ़ावा ही मिला है। विडंबना यह है जैसे-जैसे भूजल का स्तर गिरता है, ट्यूबवेल हर साल और गहरे खोदे जाते रहे हैं। कोशिश होती रही है कि इससे जल संकट बढ़ने से पानी की कमी पर पर्दा पड़ा रहे। यही वजह है कि इसका नकारात्मक असर आज मध्य और दक्षिण हरियाणा के बड़े क्षेत्र में दिखायी दे रहा है। जहां जलस्तर खतरनाक स्तर तक गिरता नजर आ रहा है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा में तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण ने जल संकट को और गहरा कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बहुत तेजी से हुए शहरीकरण ने भूजल का दोहन उसकी स्थायी सीमा से बहुत अधिक हद तक बढ़ाया है। इस बेलगाम भूजल दोहन पर नियामक संस्थाओं की निगरानी ना के बराबर है। वहीं एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि तेजी से बढ़ते कंक्रीटीकरण और आर्द्र भूमि के क्षरण से भूजल का प्राकृतिक पुनर्भरण बाधित हुआ है। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तनशीलता, अनियमित मानसून और घटते वर्षा दिवसों ने भूजल पुनर्भरण को और अधिक कम कर दिया है। जिसके चलते जलभंडारों के पुनर्जीवित होने की संभावनाएं लगभग क्षीण हो गई हैं। भूजल स्तर में गिरावट का खमियाजा किसानों को भी उठाना पड़ रहा है। खेतों के लिये सिंचाई जल उपलब्ध कराने की लागत में भी लगातार वृद्धि हो रही है। दरअसल गहरे बोरवेल के लिये अधिक बिजली और अधिक निवेश की आवश्यकता होती है। यही वजह है कि ग्रामीण पेयजल योजनाएं स्थिति से निपटने के लिये संघर्ष कर रही हैं। दूसरी ओर कम गुणवत्ता वाले जलभंडारों तक जल-दोहन की स्थिति पहुंचने से प्रदूषण का खतरा बढ़ा है। निस्संदेह, इस संकट को गंभीरता से लेने की जरूरत है। यदि इस सकंट की अनदेखी करके स्थिति को अनियंत्रित छोड़ दिया जाएगा तो इसके व्यापक नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। इससे जहां एक ओर आजीविका का संकट बढ़ेगा, वहीं फसलों को लेकर अस्थिरता होगी और कालांतर जल को लेकर सामाजिक संघर्ष उत्पन्न हो सकता है। हालांकि, इस संकट के समाधान को लेकर नीतिगत उपाय मौजूद हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। फसल विविधीकरण योजनाएं और पुनर्भरण परियोजनाएं सही दिशा में उठाये गए कदम हैं, लेकिन उनका पैमाना और कार्यान्वयन चुनौती के अनुरूप नहीं है। भूजल प्रबंधन, मांग में कमी की तुलना में आपूर्ति बढ़ाने पर अधिक केंद्रित रहा है। निश्चित रूप से हरियाणा को अपनी जल प्राथमिकताओं को तत्काल पुनर्निधारित करने की आवश्यकता है। जरूरत है कम पानी की फसलों को प्रोत्साहित करें, बिजली सब्सिडी युक्तिसंगत बने, शहरी व वाणिज्यिक उपयोग के लिये जल दोहन सख्ती से विनियमित हो व पुनर्भरण क्षेत्रों की रक्षा की जाए।

अब हर किसान को मिलेगा सम्मान

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी चल रही है। इससे पहले गांवों में बड़ा अभियान चलाने की तैयारी है। तैयारी किसान सम्मान निधि हर किसान को दिलाने की है।यूपी के करीब 14.7 फीसदी किसान अभी भी पीएम किसान पोर्टल पर रजिस्टर्ड नहीं हैं। इन अपंजीकृत किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना समेत खेती-किसानी से जुड़ी किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। अब सरकार के करीब आधा दर्जन विभाग जिनमें कृषि, उद्यान, राजस्व, गन्ना, पशुपालन, मत्स्य विभाग शामिल हैं। ये गैर पंजीकृत काश्तकारों को चिन्हित कर उनका पंजीयन कराएंगे। इन विभागों की ओर से इसके लिए संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। केंद्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि एक अप्रैल से पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त उन्हीं किसानों को दी जाएगी, जिन्होंने पोर्टल पर पंजीकरण कराया हुआ है। राज्य सरकार जल्द से जल्द प्रदेश के पात्र किसानों के रजिस्ट्रेशन पर जोर दे रही है। प्रदेश में 26 जनवरी के बाद प्रदेशव्यापी विशेष अभियान चलाने का निर्णय है। सरकार ने किसानों से भी अपील की है कि वे तय समय सीमा के भीतर पंजीकरण कराएं ताकि किसी भी किसान को पीएम किसान सम्मान निधि की आगामी किस्त से वंचित न होना पड़े।

दूध से जुड़े इन मिथकों को कहीं आप भी तो नहीं मानते हैं सच, डॉक्टर से जान लें हकीकत

दूध को लेकर हमारे समाज में कई तरह के मिथक हैं, बहुत से लोग इन मिथकों को मानकर या तो इसका गलत सेवन कर रहे हैं या पूरी तरह से छोड़ दिए हैं।इसलिए आइए इस लेख में कुछ प्रचलित मिथकों की सच्चाई के बारे में विस्तार से विस्तार से जानते हैं। दूध को लेकर हमारे समाज में सदियों से कई तरह की धारणाएं बनी हुई हैं। कुछ लोग इसे 'अमृत' मानते हैं, तो वहीं सोशल मीडिया के दौर में अब कई लोग इसे बीमारियों की जड़ बताने लगे हैं। इसी भ्रम को दूर करने के लिए फेमश डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने एक विशेष वीडियो साझा कर दूध से जुड़े कुछ बड़े मिथकों की हकीकत बताई है। डॉक्टर का कहना है कि दूध आपकी सेहत बना भी सकता है और बिगाड़ भी सकता है, यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसका सेवन कैसे और किस रूप में कर रहे हैं। अक्सर लोग दूध को 'संपूर्ण आहार' मानकर इसका सेवन करते हैं या फिर इसे डायबिटीज और सूजन बढ़ाने वाला मानकर पूरी तरह बंद कर देते हैं। लेकिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सच्चाई इसके काफी उलट है। दूध के पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन इ12 शरीर के लिए अनिवार्य हैं, बशर्ते आप दूध की गुणवत्ता और अपनी शारीरिक जरूरतों को समझें। इसलिए आइए इस लेख में दूध से जुड़े उन भ्रमों के बारे में जानते हैं, जिसे कुछ लोग सच मानते हैं।

क्या दूध वास्तव में एक संपूर्ण भोजन है?

सबसे बड़ा भ्रम यह है कि दूध एक 'संपूर्ण भोजन' है। डॉक्टर शालिनी के अनुसार यह पूरी तरह सच नहीं है। हालांकि दूध में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन इ12 प्रचुर मात्रा में होता है, लेकिन इसमें आयरन, फाइबर और विटामिन-सी जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी होती है। इसलिए संतुलित भोजन को छोड़कर केवल दूध पर निर्भर रहना शरीर में पोषण संबंधी कमी पैदा कर सकता है। दूध आहार का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन यह संपूर्ण भोजन का विकल्प नहीं है।

क्या दूध पीने से बढ़ता है शुगर लेवल?

डायबिटीज के मरीजों में यह डर रहता है कि दूध पीने से 'शुगर स्पाइक' होगा। हकीकत यह है कि दूध में मौजूद प्रोटीन और हेल्दी फैट्स की अच्छी मात्रा शुगर के अवशोषण को धीमा कर देती है, जिससे अचानक शुगर नहीं बढ़ती। समस्या तब होती है जब लोग मिलावटी या अत्यधिक हाई फैट वाला दूध पीते हैं। अगर दूध शुद्ध है और फैट संतुलित है, तो यह शुगर के लिए सुरक्षित है।

हल्दी और काली मिर्च वाला दूध?

अक्सर माना जाता है कि दूध हमेशा हल्दी और काली मिर्च के साथ ही पीना चाहिए। डॉक्टर इसे एक बड़ा मिथक बताती हैं। उनके अनुसार, हल्दी वाला दूध केवल तभी फायदेमंद है जब शरीर में सूजन हो या किसी विशेषज्ञ ने इसकी सलाह दी हो। बिना कारण रोजाना औषधीय मसालों का अधिक सेवन हर किसी के लिए जरूरी या सही नहीं होता है।

मिलावट और फैट का सही चुनाव है असली चुनौती

यह समझना जरूरी है कि दूध अपने आप में डायबिटीज या सूजन नहीं बढ़ाता। असली समस्या मिलावट और अधिक फैट की है। अगर आप मिलावटी या अत्यधिक फैट वाला दूध लेते हैं, तो यह मोटापे और पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है। डॉक्टर शालिनी की सलाह है कि दूध को मॉडरेशन में पिएं और कोशिश करें कि रात में सोने से पहले दूध जरूर लें।इससे अच्छी नींद आती है।

देशभर में मकर संक्रांति-पोंगल की धूम, यहां देखें प्रयागराज से गंगासागर तक उल्लास

प्रयागराज से हरिद्वार तक पावन स्नान के साथ मकर संक्रांति पर्व मनाया गया। पूरे देश से मकर संक्रांति और पोंगल पर्व की तस्वीरें सामने आ रही हैं। ये तस्वीरें आस्था और पवित्रता का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती हैं। आज मकर संक्रांति और

पोंगल का पर्व मनाया जा रहा है। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में पोंगल पर्व मनाया तो वहीं मकर संक्रांति का उल्लास पूरे देश में देखने को मिल रहा है। संगम नगरी प्रयागराज से लेकर हरिद्वार की हरकी पौड़ी तक में गंगा स्नान और आस्था की डुबकी लगाकर लोगों ने मकर संक्रांति के पावन पर्व की शुरूआत की। उत्तर भारत में मकर संक्रांति, दक्षिण में पोंगल, पूर्व में गंगासागर मेला और पश्चिम में पतंगों से सजा आसमान पूरे देश में इस पर्व की रौनक बढ़ा देता है। प्रयागराज के संगम पर डुबकी लगाते श्रद्धालु हों या तमिलनाडु में नई फसल का स्वागत करते किसान, हर तस्वीर में एक साझा भाव है। तस्वीरों में देखें प्रयागराज से हरिद्वार तक, मकर संक्रांति और दक्षिण के पोंगल की धूम।

पीएम मोदी ने मनाया पोंगल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में केंद्रीय राज्यमंत्री एल. मुरुगन के निवास पर पोंगल का पर्व मनाया।उनकी ये तस्वीरें संदेश देती हैं कि यह पर्व किसानों की मेहनत और धरती-सूर्य के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है। प्रकृति संरक्षण पर जोर, मिट्टी की सेहत, जल संरक्षण, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और गौ सेवा का संदेश दिया।

प्रयागराज

आज प्रयागराज में संगम तट पर आस्था का सैलाब देखने को मिला। यहां गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम में श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। दान-पुण्य, सूर्य को अर्घ्य और साधु-संतों की उपस्थिति देखने को मिली। माघ मेला के दौरान मकर संक्रांति पर पहला प्रमुख स्नान किया गया।

गंगासागर

गंगा सागर संगम पर लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंचे। ह्रसब तीर्थ बार-बार, गंगासागर एक बारह्व की जीवंत तस्वीरें मकर संक्रांति पर देखने को मिलीं। यह स्थान आज दीप, भजन और भक्ति का महासंगम बन गया।

ये 4 संकेत बताते हैं कि आपका गीजर फटने वाला है! तुरंत चेक करके कराएं ठीक

अगर आपके घर में गीजर लगा है तो उसमें दिखने वाले कुछ संकेतों पर खास नजर रखें। वरना ये फट भी सकता है। सर्दी का मौसम है, ऐसे में हर किसी के घर में गीजर का इस्तेमाल हो रहा है। इस मौसम में नहाने से लेकर बर्तन धोने तक के लिए लोग गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में आए दिन गीजर फटने की खबरें भी सामने आती रहती हैं। यदि आप नहीं चाहते कि आपके घर का गीजर भी फट जाए तो इस लेख को अंत तक पढ़ें। दरअसल, हर गीजर में समय-समय पर कुछ संकेत दिखाई देते हैं जो उसके सही कामकाज और सुरक्षा का अंदाजा देते हैं। इन संकेतों पर हमेशा नजर रखनी चाहिए, क्योंकि एक छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। सही समय पर रखरखाव और सतर्कता आपके घर को सुरक्षित बनाए रखती है और बिजली बिल को भी कम करती है। इस लेख में हम आपको गीजर के प्रमुख संकेत और सुरक्षा उपाय विस्तार से बताएंगे।

1. लीकेज

इस संकेत को अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

ध्यान रखें कि गीजर से पानी टपक रहा है, तो ये पाइप की खराबी का संकेत है।

इससे ब्लास्ट होने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए तत्काल लीकेज सही कराएं।

2. असामान्य आवाज

लोगों को लगता है इलेक्ट्रोनिक चीजों के इस्तेमाल के समय आवाज आना स्वाभाविक है।

कड़क-धड़क या बबलिंग जैसी आवाजें हीटिंग एलिमेंट की समस्या बता सकती हैं।

ऐसी आवाजें आने पर तत्काल ही मैकेनिक को बुलाकर इसे चेक कराएं।

3. ब्लिंकिंग या खराब लाइट

गीजर की इंडिकेटर लाइट बार-बार ब्लिंक कर रही है, तो ये इलेक्ट्रिक फॉल्ट की चेतावनी हो सकती है।

ऐसे समय में मैकेनिक को बुलाकर इसकी वजह जांचें।

अगर लाइट में कुछ खराबी आई है तो तत्काल प्रभाव से उसे ठीक कराएं।

4. जंग दिखने लगे

अगर गीजर में कहीं पर जंग दिख रही है तो संभलना जरूरी है।

जंग की वजह से इसके काम करने में दिक्कत आ सकती है।

तुरंत मैकेनिक को बुलाकर चेक कराएं और यदि जंग वाला हिस्सा बदला जा सके तो उसे बदलवाएं।

ये बात रखें ध्यान

हर 6-12 महीने में गीजर की सर्विस करवाना सुरक्षा के लिए जरूरी है।

ओवरहीटिंग रोकने के लिए थर्मोस्टेट सही रखें और बच्चों को गीजर से दूर रखें।

क्या आपकी भी स्लीप साइकिल खराब हो गई है? इन उपायों से तीन दिनों में ठीक हो सकती है नींद की समस्या

स्लीप साइकिल खराब होना एक सामान्य समस्या है, जिससे लगभग सभी लोग कभी न कभी जरूर परेशान होते हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर ये आदत लंबे समय तक बनी रही तो आपको कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए आइए इस लेख में इसे सुधारने के बारे में जानते हैं।: आज के डिजिटल युग में, 'स्लीप साइकिल' या नींद के चक्र का बिगड़ना एक वैश्विक महामारी बन चुका है। देर रात तक मोबाइल स्क्रीन से चिपके रहना, काम का तनाव और अनियमित खान-पान ने कई लोगों के सर्केडियन रिदम (जैविक घड़ी) को अस्त-व्यस्त कर दिया है। जब हम अपनी नेचुरल नींद के साथ खिलवाड़ करते हैं, तो इसका सीधा असर हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। शुरूआत में शरीर थकान, चिड़चिड़ेपन और काम में मन न लगने जैसे संकेत देता है, जिन्हें नजरअंदाज करने पर आगे चलकर दिल की बीमारी और डिप्रेशन जैसी बड़ी मुसीबतें पैदा हो सकती हैं। मगर अच्छी बात यह है कि आप अपनी स्लीप साइकिल को वापस ठीक कर सकते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की माने तो अगर कुछ अनुशासित बदलाव किए जाएं, तो मात्र तीन दिनों के भीतर आप अपकी स्लीप साइकिल पटरी पर लौट सकती है। आइए उन कारगर उपायों के बारे में जानते हैं, जो आपको गहरी और सुकून भरी नींद दिलाने में मदद कर सकते हैं।

तीन दिनों में नींद ठीक करने के लिए क्या करें?

अपनी स्लीप साइकिल को रीसेट करने के लिए इन चरणों का पालन करें-

अगले तीन दिनों तक, चाहे जो हो जाए, सोने और जागने का एक ही समय तय करें।

सोने का जो भी समय तय करें, उससे ठीक 1 घंटा पहले सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को खुद से दूर कर दें।

जागने के तुरंत बाद 15-20 मिनट प्राकृतिक धूप में बिताएं, यह आपके मस्तिष्क को 'जागने' का संकेत देता है।

दोपहर 2 बजे के बाद चाय या कॉफी का सेवन पूरी तरह बंद कर दें।

स्लीप साइकिल बिगड़ने के मुख्य कारण क्या हैं?

नींद की समस्या रातों-रात पैदा नहीं होती, इसके पीछे हमारी ये गलतियां जिम्मेदार होती हैं-

मोबाइल और लैपटॉप से निकलने वाली नीली रोशनी 'मेलाटोनिन' हार्मोन के उत्पादन को रोक देती है।

सोने से ठीक पहले भारी भोजन करने से पाचन तंत्र सक्रिय रहता है, जिससे गहरी नींद नहीं आती।

दिन के समय लंबी नींद लेने से रात की प्राकृतिक थकान खत्म हो जाती है।

दिनभर बैठे रहने से शरीर की ऊर्जा खर्च नहीं होती, जिससे रात को बेचैनी होती है।

अगर नींद ठीक न हुई तो आगे क्या प्रभाव पड़ेगा?

खराब नींद को नजरअंदाज करना आपके भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है-

लगातार नींद की कमी से एंग्जायटी, पैनिक अटैक और याददाश्त कमजोर होने का खतरा बढ़ जाता है।

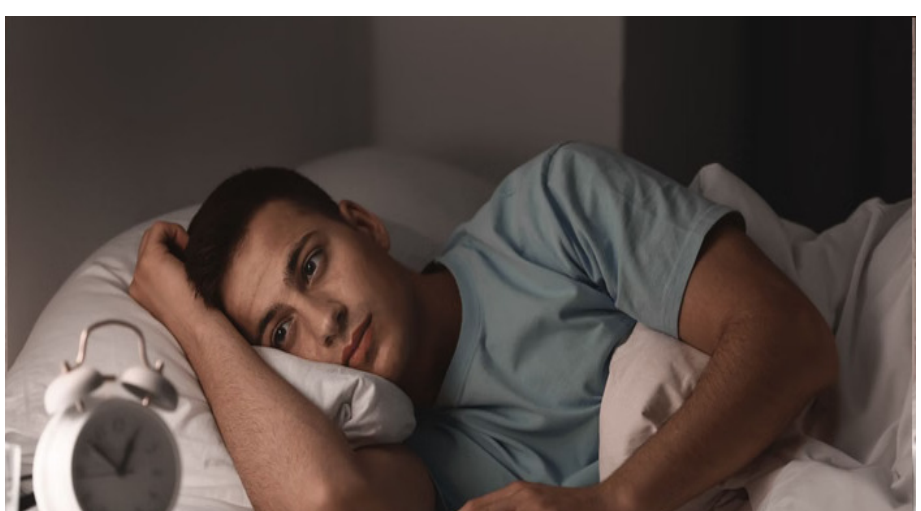

अधूरी नींद मोटापे और टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है।

नींद की कमी से ब्लड प्रेशर बढ़ता है, जो लंबे समय में स्ट्रोक या हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।

शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता घट जाती है, जिससे आप बार-बार बीमार पड़ने लगते हैं।

अनुशासित रहना बहुत जरूरी

स्लीप साइकिल को ठीक करना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह आपकी इच्छाशक्ति और अनुशासन का मामला है। शुरूआती तीन दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, लेकिन जब आपका शरीर नए पैटर्न को अपना लेगा, तो आप सुबह तरोताजा महसूस करेंगे। ध्यान रखें, अच्छी नींद स्वस्थ जीवन यापन करने के लिए एक बुनियादी जरूरत है। अपने गैजेट्स को थोड़ा आराम दें और अपनी जैविक घड़ी को सुधारने पर फोकस करें।

नीम करौली बाबा के भक्तों के लिए अच्छी खबर, अब कैंची धाम में अब नहीं लगेगा लंबा जाम

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में मानसखंड परियोजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की गति तेज हो रही है। इसी कड़ी में प्रसिद्ध कैंची धाम के लिए बाईपास मार्ग का निर्माण किया जा रहा है, जिससे भविष्य में श्रद्धालुओं और पर्यटकों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साल 2023 में कैंची धाम क्षेत्र में हाईवे पर बढ़ते ट्रैफिक दबाव और श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए कैंची बाईपास मोटर मार्ग निर्माण की घोषणा की थी लोक

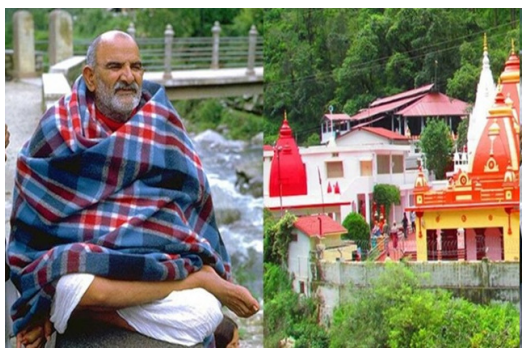

निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रत्नेश सक्सेना ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि कैंची धाम बाईपास का निर्माण कई चरणों में किया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य है कि समस्त निर्माण कार्य अक्टूबर माह तक पूर्ण कर लिया जाए। इस बाईपास रोड के निर्माण से पाडली गांव, चौरसा गांव सहित आसपास के कई गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों की ओर जाने वाले यात्रियों और श्रद्धालुओं को अब कैंची धाम में लगने वाले लंबे जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। वे बाईपास मार्ग से सीधे अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। बाबा नीम करौली महाराज का कैंची धाम नैनीताल से लगभग 17 किलोमीटर दूर, अल्मोड़ा मार्ग पर पहाड़ियों के बीच बसा हुआ है। यह धाम न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया भर में बाबा जी के भक्तों के लिए आस्था और चमत्कारों का केंद्र माना जाता है। यहां से बहती नदी और शांत वातावरण मन को गहरी शांति देता है।यह धाम हनुमान जी को समर्पित है। यहां आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है।कैंची धाम सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और आत्मिक शांति का तीर्थ है। यहां आकर भक्त अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस करते हैं।

आप भी सर्दियों में पी रहे हैं कम पानी तो हो सकते हैं हार्ट अटैक के शिकार! डॉक्टर ने किया अलर्ट

सर्दी का मौसम अपने साथ कई स्वास्थ्य संबंधी जोखिम लाता है। ठंडी हवाओं और शीतलहर के बीच शरीर में तरल पदार्थ की कमी और रक्त संचार में बदलाव होने से दिल, रक्तचाप, सांस और बच्चों की सेहत पर असर पड़ सकता है। आइए विस्तार से जानते हैं कि इस मौसम में किन सावधानियों की जरूरत है।

सर्दियों में पानी की कमी से दिल पर खतरा

दिल्ली एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. राजीव नारंग बताते हैं कि सर्दी में अक्सर लोग पानी कम पीते हैं। ठंड के मौसम में धमनियां सिकुड़ जाती हैं और खून गाढ़ा हो जाता है। यह स्थिति रक्तचाप बढ़ाने

और रक्त में क्लॉट बनने का खतरा बढ़ा देती है। कई मरीज जिनका पहले रक्तचाप नियंत्रित था, अब सर्दियों में बढ़ा हुआ आता है। खून गाढ़ा होने से हार्ट अटैक और अन्य हृदय रोगों का जोखिम अधिक होता है। क्या करें सप्ताह में कम से कम दो बार रक्तचाप मापें। घर में ब्लड प्रेशर मशीन रखें। हृदय रोगियों को दवाइयां नियमित रूप से लेनी चाहिए। पर्याप्त पानी पीएं और शरीर को हाइड्रेटेड रखें।

सांस की बीमारियों का बढ़ता खतरा

ठंड के मौसम में सांस की नली सिकुड़ती है, जिससे सांस लेने में परेशानी हो सकती है। सीओपीडी, निमोनिया और अन्य संक्रमण के मामले सर्दियों में बढ़ जाते हैं। सांस संबंधी पुरानी बीमारियों वाले बुजुर्ग और मरीज इस मौसम में विशेष रूप से सावधान रहें। बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों वाले मरीजों को निमोनिया का टीका जरूर लगवाना चाहिए। घर में रहकर गर्म कपड़े पहनें और ठंडी हवा से बचें।

मधुमेह रोगियों के लिए सावधानियां

सर्दियों में ठंड के कारण मधुमेह रोगियों की सेहत पर भी असर पड़ता है। सुबह-शाम ठंडी हवा में बाहर की लंबी सैर नुकसान कर सकती है। इंडोक्रिनोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. राजेश खड़गावत का कहना है कि मधुमेह रोगी घर पर योग और हल्का व्यायाम कर सकते हैं। इसके अलावा, दवा समय पर लेना और खानपान का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। ठंड में सुबह-शाम की लंबी सैर से बचें। घर पर हल्के व्यायाम और योग करें। दवाइयां नियमित लें और ब्लड शुगर मॉनिटर करें।

बच्चों का विशेष ध्यान

सर्दियों में नवजात और छोटे बच्चों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण होती है। बच्चों का शरीर जल्दी ठंड में प्रभावित होता है और उन्हें सांस की समस्या हो सकती है। बच्चों को दो-तीन स्तर के कपड़े पहनाकर रखना चाहिए। सिर और कान को ढंककर रखें ताकि वे गर्म रहें।

सावधानियां

बच्चों को पर्याप्त तरल पदार्थ, जैसे दूध और पानी दें। उन्हें फल और पोषक आहार दें। ठंड लगने के लक्षणरू सुस्ती, तेज सांस, खांसी। घर में तापमान संतुलित रखें और ठंडी हवा से बचाएं।

सामान्य स्वास्थ्य सुझाव

सर्दियों में हल्के में ली गई लापरवाही स्वास्थ्य के लिए गंभीर परिणाम ला सकती है। इसलिए विशेषज्ञों ने कुछ आसान लेकिन महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं

पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं। ठंड में भी हाइड्रेटेड रहें। घर और किचन में साफ-सफाई बनाए रखें। बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों वाले मरीज नियमित चेकअप कराएं। गर्म कपड़े पहनें और ठंडी हवा से शरीर को सुरक्षित रखें।

पश्चिमी यूपी में शीतलहर का कहर, लखनऊ में सीजन की सबसे ठंडी सुबह

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की ठंड का सिलसिला जारी है। राजधानी लखनऊ में बुधवार को इस मौसम की अब तक की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की। शहर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो चार जनवरी को दर्ज छह डिग्री सेल्सियस के पिछले न्यूनतम स्तर से 0.4 डिग्री कम है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में तापमान और अधिक गिर गया। मुजफ्फरनगर प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान गिरकर 2.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह सामान्य से 3.5 डिग्री कम है और बीते दो वर्षों में दर्ज किया गया सबसे कम तापमान है। मेरठ में न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री (सामान्य से 3.4 डिग्री कम), बरेली में तीन डिग्री, कानपुर शहर में चार डिग्री और हरदोई में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रात के तापमान में गिरावट के कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में शीतलहर और पाला पड़ने की स्थिति बनी हुई है, हालांकि दिन में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार बुधवार और गुरुवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में शीतलहर का असर बना रहेगा।

टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी खिलाड़ियों को नहीं मिला वीजा? अब सच्चाई सामने आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों के वीजा को लेकर जो खबरें फैलीं, वे पूरी तरह सच नहीं हैं। वीजा को न तो आधिकारिक तौर पर अस्वीकार किया गया है और न ही प्रक्रिया रोकी गई है। मामला सामान्य प्रशासनिक जांच के तहत है और विश्व कप के लिए वीजा चरण आगे बढ़ रहा है। टी20 विश्व कप 2026 से पहले अब वीजा विवाद सुर्खियों में है। हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि अमेरिकी क्रिकेट टीम (वरअ) के पाकिस्तानी मूल के कुछ खिलाड़ियों को भारत के लिए वीजा जारी नहीं किया गया है। टी20 विश्व कप 2026 टूर्नामेंट सात फरवरी से शुरू होने वाला है और इसे भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से होस्ट करेंगे। अली खान की पोस्ट से बढ़ी हलचल विवाद तब शुरू हुआ जब

अमेरिकी क्रिकेटर अली खान ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की, जिसमें इशारा किया गया कि उनका भारतीय वीजा अस्वीकार हो गया है। उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वे एक साथी खिलाड़ी के साथ भोजन करते दिखे और कैप्शन में लिखा था, 'भारत का वीजा रिजेक्ट हुआ, लेकिन केएफसी जीत गया।' इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर यह चर्चा फैल गई कि पाकिस्तान मूल के खिलाड़ियों को भारत जाने से रोका जा रहा है। सच्चाई क्या है? हालांकि, क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, वीजा प्रक्रिया अभी जारी है और किसी भी खिलाड़ी के वीजा को आधिकारिक तौर पर अस्वीकार नहीं किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मामला केवल प्रशासनिक समीक्षा का है और यह सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। चार अमेरिकी खिलाड़ी, अली खान, शायन जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान अदिल, जो पाकिस्तानी मूल के हैं, ने 13 जनवरी (मंगलवार) को श्रीलंका में भारतीय दूतावास में अपने वीजा आवेदन पूरे किए। अमेरिकी टीम इस समय श्रीलंका में विश्व कप की अंतिम तैयारियों में जुटी है। प्रक्रिया में देरी का कारण रिपोर्ट में बताया गया कि वीजा अपॉइंटमेंट के समय वीजा जारी नहीं हुआ, लेकिन कोई आधिकारिक रिजेक्शन भी नहीं हुआ। भारतीय दूतावास ने अमेरिकी टीम मैनेजमेंट को बताया कि कुछ दस्तावेज मिले हैं, जबकि विदेश मंत्रालय (टएअ) से कुछ जानकारी अभी बाकी है। सभी औपचारिकताओं के बाद ही वीजा आगे बढ़ेगा। ऐसे मामलों में अतिरिक्त जांच सामान्य इतिहास देखें तो पाकिस्तानी मूल वाले खिलाड़ियों के वीजा मामलों में अतिरिक्त प्रशासनिक जांच हमेशा होती है, चाहे खिलाड़ी किसी भी देश का प्रतिनिधित्व कर रहा हो। ऐसा मोईन अली, शोएब बशीर, उस्मान ख्वाजा जैसे खिलाड़ियों के साथ भी हो चुका है। यह प्रक्रिया खेल प्राधिकरणों से स्वतंत्र है और अंतिम अनुमति भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा दी जाती है। सभी टीमों पर समान प्रक्रिया लागू महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसी प्रक्रियाएं केवल अमेरिकी खिलाड़ियों पर लागू नहीं होतीं, बल्कि यूएई, कनाडा, ओमान, इटली जैसी टीमों पर भी लागू होंगी, जिनमें पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी शामिल हैं।

टी20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान में तीन मैच खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

सिडनी (एजेंसी)। पाकिस्तान के चयनकर्ता इस सप्ताह के आखिर में मुख्य कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान अली आगा के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज और विश्व कप

के लिए टीम को अंतिम रूप देंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को बताया कि भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया लाहौर में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया विश्व कप से पहले 29 और 31 जनवरी तथा एक फरवरी को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में दिन रात्रि टी20 मैच खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप के ग्रुप मैच भारत में खेलेगा, जबकि पाकिस्तान को अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलने हैं। यह अप्रैल 2022 के बाद पहला अवसर होगा जबकि ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम 28 जनवरी को लाहौर पहुंचेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी के कुछ मैच पाकिस्तान में खेले थे। पाकिस्तान के चयनकर्ता इस सप्ताह के आखिर में मुख्य कोच माइक हेसन और कप्तान सलमान अली आगा के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज और विश्व कप के लिए टीम को अंतिम रूप देंगे। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी की मंजूरी के बाद अगले सप्ताह टीम की घोषणा की जाएगी।

श्रीकांत की शानदार जीत, खेल परिस्थितियों पर उठे सवालों पर की बात; पीवी सिंधू पहले राउंड से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ओपन 2026 में पीवी सिंधू को पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से हार झेलनी पड़ी, जबकि किदांबी श्रीकांत ने जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। मैच के बाद श्रीकांत ने स्टेडियम की व्यवस्थाओं को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें खेल परिस्थितियों में कोई बड़ी कमी नजर नहीं आई। इंडिया ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन को शुरूआती दौर में झटका लगा, जब दो बार की ओर्लंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को राउंड-1 में निचली रैंकिंग की वियतनाम की खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ तीन गेम तक चले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इसी टूनार्मेंट में पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने शानदार संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई और साथ ही खेल परिस्थितियों को लेकर उठे विवाद पर अपनी स्पष्ट राय रखी। सिंधू बाहर हुईं, श्रीकांत ने जीता पहला मुकाबला पूर्व विश्व नंबर-1 भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने इंडिया ओपन सुपर 750 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हमवतन थरुण मणिपल्ली को कड़े मुकाबले में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। श्रीकांत ने यह मुकाबला 15-21, 21-6, 21-19 से अपने नाम किया। मैच के बाद श्रीकांत ने टूनार्मेंट की खेल परिस्थितियों को लेकर उठे विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, डेनमार्क की खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए इसे अस्वस्थ वातावरण बताया था और बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) से हस्तक्षेप की मांग की थी। व्यवस्था पर उठे सवालों को श्रीकांत ने किया खारिज हालांकि, श्रीकांत ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्हें आयोजन स्थल पर कुछ भी असामान्य या खराब नहीं लगा। उन्होंने कहा, 'हर देश की अपनी परिस्थितियाँ होती हैं। कहीं शटल में ज्यादा ड्रिफ्ट होता है, कहीं कम। मैंने यहां ऐसा कुछ नहीं देखा जिसे खराब कहा जाए।' श्रीकांत ने यह भी याद दिलाया कि अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंटों में पहले भी इस तरह की समस्याएं सामने आती रही हैं। उन्होंने बताया कि एक बार डेनमार्क में लाइट चली जाने के कारण उन्हें करीब एक घंटे तक मैच के दौरान इंतजार करना पड़ा था।

पाकिस्तान की महिला टीम में बड़ा बदलाव, वहाब रियाज को बनाया गया मेंटर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान की महिला टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। भारत और श्रीलंका में पिछले साल नवंबर में खेले गए आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में मिली करारी हार के बाद यह टीम का पहला दौरा होगा। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज और पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता वहाब रियाज को अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की राष्ट्रीय महिला टीम का मेंटोर (मार्गदर्शक) नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बुधवार को कहा कि वहाब टीम के मेंटोर होंगे और उन्हें पूर्व खिलाड़ियों इमरान फरहत और अब्दुल रहमान सहित कोचिंग स्टाफ का सहयोग मिलेगा। पाकिस्तान की महिला टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। भारत और श्रीलंका में पिछले साल नवंबर में खेले गए आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में मिली करारी हार के बाद यह टीम का पहला दौरा होगा। पाकिस्तान आठ टीमों की प्रतियोगिता में आखिरी स्थान पर रहा था जिसके बाद मुख्य कोच मोहम्मद वसीम को बर्खास्त कर दिया गया था। अनकैप्ड बैटर साइरा जबीन और राइट-आर्म फास्ट बॉलर हुमना बिलाल को पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है, क्योंकि पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए अपनी व्हाइट-बॉल टीमों की घोषणा कर दी है। टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप (जून) की तैयारी में जुटी है और फातिमा सना वनडे और टी20 दोनों में कप्तानी करती रहेंगी। कई खिलाड़ी जैसे अलिया रियाज, आयशा जफर, गुल फेरोजा, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सादिया इकबाल, सिद्रा अमीन और तसमिया रुबाब, दोनों फॉर्मेट की टीमों में शामिल की गई हैं।वहीं डायना बैग, नजीहा अल्वी, सदफ शमास और सैयदा आरूब शाह केवल वनडे टीम में हैं, जबकि हुमना बिलाल, साइरा जबीन, तुबा हसन और ऐमन फातिमा सिर्फ टी20 टीम का हिस्सा हैं। सीरीज से पहले एक से छह फरवरी तक कराची के हनीफ मोहम्मद हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में ट्रेनिंग कैंप आयोजित होगा। टी20 सीरीज 10 से 16 फरवरी के बीच पॉचेफस्ट्रूम, बेनोनी और किम्बर्ली में डे-नाइट मैचों के रूप में खेली जाएगी। इसके बाद किम्बर्ली में 50 ओवर का एक वॉर्म-अप मैच खेला जाएगा। फिर 22 फरवरी से 1 मार्च तक ब्लोएमफोंटेन, सेंचुरियन और डरबन में तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी। टी20 टीमः फातिमा सना (कप्तान), अलिया रियाज, आयशा जफर, ऐमन फातिमा, गुल फेरोजा (विकेटकीपर), हुमना बिलाल, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नशरा संधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सादिया इकबाल, साइरा जबीन, सिद्रा अमीन, तसमिया रुबाब, तुबा हसन। वनडे टीमः फातिमा सना (कप्तान), अलिया रियाज, आयशा जफर, डायना बैग, गुल फेरोजा, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नजीहा अल्वी (विकेटकीपर), नशरा संधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, सिद्रा अमीन, सैयदा आरूब शाह, तसमिया रुबाब।

निर्यात की तैयारी मामले में यूपी देश के शीर्ष पांच राज्यों में, महाराष्ट्र शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग के निर्यात तैयारी सूचकांक 2024 में उत्तर प्रदेश ने शीर्ष 5 राज्यों में जगह बनाई है। महाराष्ट्र 68.01 स्कोर के साथ शीर्ष पर है। जानें राज्यों की निर्यात रैंकिंग का पूरा विश्लेषण। उत्तर प्रदेश ने नीति आयोग के 'निर्यात तैयारी सूचकांक (ईपीआई) 2024' में अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराते हुए देश के शीर्ष पांच बड़े राज्यों में जगह बना ली है। नीति आयोग की ओर से बुधवार को जारी इस व्यापक मूल्यांकन में उत्तर प्रदेश निर्यात तत्परता और प्रदर्शन के मामले में चौथे स्थान पर रहा है। यह रिपोर्ट देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की निर्यात क्षमता को परखने के साथ-साथ उनके बीच 'प्रतिस्पर्धी संघवाद' को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई है। रिपोर्ट में पहले तीन स्थानों पर कौन से राज्य? नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम की ओर से नई दिल्ली में जारी की गई इस रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र 68.01 के स्कोर के साथ बड़े राज्यों की श्रेणी में पहले पायदान पर रहा है। महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु दूसरे और गुजरात तीसरे स्थान पर काबिज है। उत्तर प्रदेश ने चौथा स्थान हासिल किया है, जबकि आंध्र प्रदेश इस सूची में पांचवें स्थान पर रहा। ईपीआई 2024 के इस संस्करण में वित्त वर्ष 2022 से वित्त वर्ष 2024 की अवधि के दौरान राज्यों के निर्यात प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी गई है। सूचकांक के तहत, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके प्रदर्शन के आधार पर 'लीडर्स', 'चैलेंजर्स' और 'एस्पिरेंट्स' जैसी श्रेणियों में बांटा गया है। छोटे राज्यों में उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर का प्रदर्शन निर्यात की तैयारी केवल बड़े औद्योगिक राज्यों तक सीमित नहीं है। छोटे राज्यों, उत्तर-पूर्वी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में उत्तराखंड ने पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके बाद जम्मू-कश्मीर दूसरे और नागालैंड तीसरे स्थान पर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह रैंकिंग पारंपरिक विनिर्माण केंद्रों से इतर अन्य क्षेत्रों में निर्यात की तैयारी की दिशा में हो रही निरंतर प्रगति को उजागर करती है। 70 मापदंडों पर आधारित मूल्यांकन ईपीआई 2024 का ढांचा अत्यंत व्यापक है। यह चार प्रमुख स्तंभों के अंतर्गत 70 मापदंडों पर आधारित है।

दिसंबर में बिजली की मांग 6.8 प्रतिशत बढ़ी, तीसरी तिमाही में हालात और सुधरने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर 2025 में बिजली की मांग में 6.8% की बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही की कमजोरी कुछ हद तक कम हुई। हालांकि, बेमौसम बारिश और कम तापमान के कारण पूरी तिमाही में मांग थोड़ी घटी, लेकिन पीक डिमांड मजबूत बनी रही। ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2025 में बिजली मांग में सुधार देखने को मिला, जिससे वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के दौरान आई समग्र कमजोरी कुछ हद तक कम हुई। हालांकि, तिमाही के अधिकांश हिस्से में बेमौसम बारिश और अपेक्षाकृत कम तापमान के कारण बिजली मांग पर दबाव बना रहा। बिजली की मांग वार्षिक आधार पर 6.8 प्रतिशत बढ़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2025 में बिजली की मांग साल-दर-साल आधार पर 6.8 प्रतिशत बढ़ी, जो तिमाही की कमजोर शुरूआत के बाद स्थिर सुधार का संकेत है। इसके साथ ही, नुवामा ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में अपने पावर सेक्टर कवरेज में शामिल कंपनियों के लिए मामूली मुनाफा वृद्धि का अनुमान जताया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान में कमजोर थर्मल प्लांट लोड फैक्टर (ढछझ) के कारण मुनाफे की वृद्धि सीमित रह सकती है। तिमाही आधार पर मांग घटी हालांकि, पूरी तिमाही को देखें तो बिजली मांग 0.4 प्रतिशत घट गई। इसका मुख्य कारण अक्तूबर में हुई बेमौसम बारिश और औसत तापमान का 23 डिग्री सेल्सियस रहना बताया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में औसत तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस था। इसके बावजूद, पीक पावर डिमांड मजबूत बनी रही। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में अधिकतम मांग करीब 241 गीगावॉट तक पहुंच गई, जो पिछले साल की समान अवधि से 7.6 प्रतिशत अधिक है। यह उच्च मांग वाले समय में बिजली खपत की अंतर्निहित मजबूती को दशार्ता है। थर्मल पावर का दबदबा बना रहा उत्पादन के मोर्चे पर, थर्मल पावर का दबदबा बना रहा और वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में कुल बिजली उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी करीब 77 प्रतिशत रही। हालांकि, विभिन्न यूटिलिटीज में प्लांट लोड फैक्टर अपेक्षाकृत कमजोर बना रहा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पावर एक्सचेंजों पर रुझान मिले-जुले रहे। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (क्एए) पर दिसंबर 2025 में बिजली वॉल्यूम साल-दर-साल 3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में यह वृद्धि 12 प्रतिशत रही।

हालांकि, रिन्यूएबल एनर्जी सर्टिफिकेट (REC) की कमजोर मांग के चलते कुल वॉल्यूम में गिरावट दर्ज की गई। कीमतों के मोर्चे पर, सोलर घंटों के दौरान बिजली के दाम बढ़े, जबकि नॉन-सोलर घंटों में मांग और पीक डेफिसिट दोनों में इजाफा हुआ। इस बीच, कोयले की उपलब्धता में सुधार देखा गया। एनटीपीसी के संयंत्रों में कोयले का स्टॉक औसतन 18 दिन का रहा, जबकि कुल कोयला भंडार बढ़कर करीब 5.4 करोड़ टन पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 18 प्रतिशत अधिक है। आगे की ओर देखते हुए, नुवामा को वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में पावर सेक्टर में सीमित लेकिन स्थिर मुनाफा वृद्धि की उम्मीद है। साथ ही, रिन्यूएबल एनर्जी से जुड़े टेंडर मजबूत बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सोलर और स्टोरेज परियोजनाओं के नेतृत्व में करीब 350 गीगावॉट की परियोजनाओं की पाइपलाइन मौजूद है, जो आने वाले वर्षों में सेक्टर के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 245 अंक टूटा, निफ्टी 25700 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 244.98 अंक गिरकर 83,382.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 66.70 अंक गिरकर 25,665.60 अंक पर बंद हुआ। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच आईटी, उपभोग और चुनिंदा बैंकिंग ब्लू-चिप शेयरों में कमजोरी के कारण बुधवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में पिछले दिन की गिरावट जारी रही। इसके अलावा, व्यापारियों ने कहा कि विदेशी निधियों की लगातार निकासी और टैरिफ से संबंधित नई अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों को परेशान कर दिया है। बुधवार को रुपया शुरूआती बढ़त गंवा बैठा और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे गिरकर 90.29 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 244.98 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 83,382.71 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 442.49 अंक या 0.52 प्रतिशत गिरकर 83,185.20 पर पहुंच गया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.70 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 25,665.60 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एशियन पेंट्स, मारुति, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और लार्सन एंड टुब्रो सबसे बड़े पिछड़ने वालों में शामिल थीं। दूसरी ओर, टाटा स्टील, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ कमाने वालों में शामिल थे। यूरोपीय बाजारों में दिखी तेजी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक उच्च स्तर पर बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक निचले स्तर पर समाप्त हुआ। यूरोप के बाजारों में तेजी देखी गई। अमेरिकी बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 64.82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 0.99 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 64.82 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 1,499.81 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,181.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

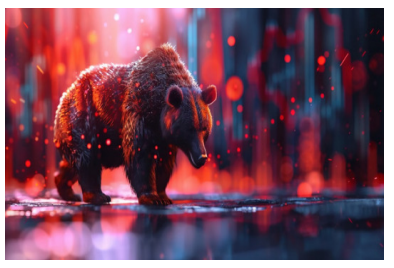

10 मिनट डिलीवरी का दावा खत्म, लेकिन दबाव अभी भी बरकरार; गिग वर्कर्स बोले- जमीनी हकीकत नहीं बदली

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा 10 मिनट डिलीवरी का दावा हटाने के बावजूद गिग वर्कर्स कहते हैं कि जमीनी हालात नहीं बदले। कम भुगतान और इंसेंटिव दबाव अब भी बरकरार है। क्विक कॉमर्स कंपनियों द्वारा ग्राहकों के लिए 10 मिनट में डिलीवरी के वादे को हटाने की कथित घोषणा का असर गिग वर्कर्स की जिंदगी पर फिलहाल बहुत कम दिखाई दे रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में काम कर रहे डिलीवरी एजेंट्स का कहना है कि कमाई अब भी ज्यादा डिलीवरी करने पर ही निर्भर है, इसलिए तेज काम करने का दबाव जस का तस बना हुआ है। बीते साल क्रिसमस और नए साल की पूर्व संध्या पर गिग वर्कर्स ने हड़ताल कर यह मुद्दा उठाया था कि उनसे असुरक्षित तरीके से काम कराया जा रहा है, जबकि दुर्घटना की स्थिति में न तो पुख्ता सुरक्षा है और न ही स्थायी आय की गारंटी। न्यूनतम वेतन तय नहीं, इंसेंटिव पर निर्भर डिलीवरी एजेंट्स का कहना है कि न्यूनतम वेतन तय नहीं है और प्रति डिलीवरी भुगतान बेहद कम है। ऐसे में उन्हें प्लेटफॉर्म द्वारा दिए जाने वाले इंसेंटिव पर निर्भर रहना पड़ता है, जो न तो स्थायी होते हैं और न ही पारदर्शी। कई एजेंट्स ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर अपनी बात रखी। इंसेंटिव सिस्टम ही तेज डिलीवरी के लिए करता है मजबूर एक डिलीवरी पार्टनर ने बताया कि रोज 35 से 40 डिलीवरी करने के बाद ही ?1,200-1,500 की कमाई हो पाती है। उन्होंने कहा करीब 15 घंटे काम करने के बाद 1,500-1,600 मिलते हैं। ज्यादा डिलीवरी और इंसेंटिव के चक्कर में हमें गलत साइड से गाड़ी चलानी पड़ती है, जान जोखिम में डालनी पड़ती है। हालांकि कंपनियां यह कहती हैं कि किसी तय समय सीमा में डिलीवरी की बाध्यता नहीं है, लेकिन गिग वर्कर्स का कहना है कि इंसेंटिव सिस्टम ही उन्हें तेज डिलीवरी के लिए मजबूर करता है।

पसीना वाले हनुमान मंदिर का होगा कायाकल्प, सुंदरीकरण पर खर्च होंगे एक करोड़

लखनऊ (संवाददाता)। पर्यटन विभाग ने फिरोजाबाद के बहुचर्चित पसीना वाले हनुमान मंदिर के पर्यटन के विकास का निर्णय लिया है। 2000 वर्ष प्राचीन माने जाने वाले ऐतिहासिक मंदिर को शासन स्तर से अनुमोदित कार्य योजना के अंतर्गत एक करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग का यह प्रयास फिरोजाबाद को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में अहम कदम है। फिरोजाबाद से कुछ किलोमीटर की दूरी पर यमुना नदी के तट पर स्थित प्रसिद्ध पसीना वाले हनुमान मंदिर का समग्र पर्यटन विकास किया जाएगा।परियोजना के अंतर्गत मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, पर्यटक सूचना केंद्र, स्वच्छ शौचालय, पेयजल सुविधा तथा श्रद्धालुओं के लिए विश्राम स्थलों का निर्माण किया जाएगा। पसीना वाले हनुमान मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां आस्था तर्क से आगे निकल जाती है। अपनी तरह के इस अनूठे मंदिर में स्थित हनुमान जी की प्रतिमा से वर्ष भर पसीना निकलता रहता है। सर्दियों में भी प्रतिमा पर पसीने की बूंदें श्रद्धालुओं को आश्चर्यचकित करती है। इसी चमत्कारी विशेषता के कारण लोग मंदिर का दर्शन करने दूर-दूर से आते हैं।

वो ऐसे शख्स जो मेरे लिए बहुत जरुरी..अर्जुन से ब्रेकअप के 2 साल बाद बोलीं मलाइका अरोड़ा

मिस्ट्री मैन संग दिखने पर भी दिया जवाब

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा एक्टर अरबाज खान से तलाक के बाद अपने से 12 साल छोटे एक्टर अर्जुन कपूर को डेट कर चुकी हैं। दोनों ने कई सालों तक एक दूसरे को डेट किया था, लेकिन फिर किसी वजह से उनका ब्रेकअप हो गया, जिसके बाद वे काफी सुर्खियों में रहे। वहीं, अब हाल ही में मलाइका ने अपने एक्स बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर को लेकर बात की। नम्रता जकारिया शो में अर्जुन कपूर के बारे में बात करते हुए कहा, ह्लमुझे लगता है कि गुस्सा और दुख जीवन के किसी खास पड़ाव पर आते हैं और मुझे लगता है कि हर किसी के साथ ऐसा होता है। हम इंसान हैं, हम सभी गुस्से और निराशा के दौर से गुजरते हैं। ये ह्यूमन नेचर है, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, और सबसे फेमस कहावत है, समय सब कुछ ठीक कर देता है ह्लआगे उन्होंने कहा, ये अलग नहीं है। चाहे कुछ भी हो, मुझे लगता है कि वो ऐसे शख्स हैं जो मेरे लिए बहुत जरुरी हैं। वो मेरी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। जो भी हो, मैं अपने पास्ट और फ्यूचर के बारे में बात करना पसंद नहीं करती। इसे लेकर काफी कुछ लिखा गया है। बहुत कुछ फैलाया गया है। ये मीडिया के लिए खबर बनाने की जगह बन गया है। मलाइका ने कहा, मेरा रिलेशनशिप हमेशा सुर्खियों में रहा है। उसे लेकर हमेशा खबरें बनी हैं। मुझे याद है कि एक समय पर मैं बोलने लगी थी कि मेरी जिंदगी पर्सनल लाइफ के अलावाभ भी है। ये सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन गया है। दुर्भाग्य से, लोग ये भूल जाते हैं। मैं अब जिंदगी के उस पड़ाव पर हूं, जहां मुझे कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है मैं वो करना चाहती हूं जो मुझे खुश करे मैं चाहती हूं कि लोग ये देखें। मिस्ट्री मैन के साथ देखे जाने के सवाल पर मलाइका अरोड़ा ने कहा, लोगों को बातें करना पसंद है। आप किसी के साथ दिखते हैं, बाहर जाते हैं, तो ये बड़ी बात बन जाती है। मैं फिजूल की बातों को हवा नहीं देना चाहती। मैं जब भी मैं बाहर निकली हूं, चाहे वो कोई पुराना दोस्त हो, कोई गे फ्रेंड हो, शादीशुदा दोस्त हो, मैनेजर हो या कोई भी हो मेरा नाम उससे जोड़ दिया जाता है। मेरी मां मुझे फोन करके पूछती हैं, ये अब कौन है, बेटा? ये लोग किसके बारे में बात कर रहे हैं? ये फनी हो गया है।

हैप्पी पटेल में फिर दिखेगा दिल्ली बेली वाला मैडनेस, जानें मोना सिंह ने की किस तरह से तुलना

दिल्ली बेली जब रिलीज हुई थी, तब उसने अपने डार्क ह्यूमर, अनोखे किरदारों और बेझिझक ऑफ-बीट अंदाज से मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा के नियम ही तोड़ दिए थे। अब सालों बाद वही बिंदास और हटके सोच हैप्पी पटेल के साथ फिर बड़े पर्दे पर लौट रही है, जो उसी पागलपन और बेपरवाह माहौल को आज के टाइम

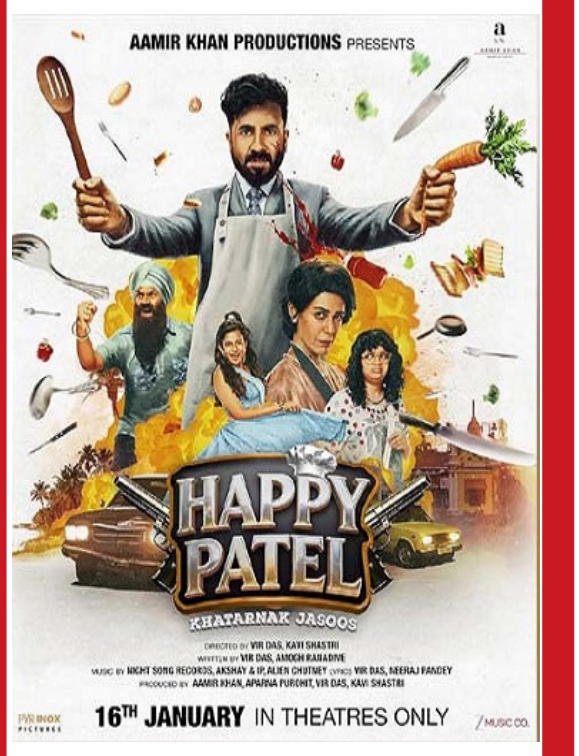

के ट्विस्ट के साथ लाने वाली है। मोना सिंह, जिन्होंने मेनस्ट्रीम और एक्सपेरिमेंटल दोनों तरह की स्टोरीटेलिंग में काम किया है, कल्ट क्लासिक दिल्ली बेली और आने वाली फिल्म के बीच सीधा कनेक्शन देखती हैं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए मोना ने कहा कि दिल्ली बेली को आइकॉनिक बनाने वाली वही स्पिरिट हैप्पी पटेल में भी गहराई से मौजूद है। दिल्ली बेली को मिले रिएक्शन्स याद करते हुए मोना ने कहा,दिल्ली बेली के लिए लोग जो-जो शब्द इस्तेमाल करते थे, वही सारे शब्द हैप्पी पटेल पर भी बिल्कुल फिट बैठते हैं, डार्क है, क्विर्की है, ऑफ-बीट है, सब कुछ है। और मुझे इस मैड, क्रेजी यूनिवर्स का हिस्सा बनकर सच में बहुत मजा आया। उनकी बातें साफ इशारा करती हैं कि दर्शक हैप्पी पटेल से क्या उम्मीद कर सकते हैं, एक ऐसी फिल्म जो बेझिझक पागलपन अपनाती है, हटके ह्यूमर दिखाती है और ऐसे किरदारों को सामने लाती है जो हमेशा एज पर रहते हैं। बिल्कुल दिल्ली बेली की तरह, यह फिल्म अपने बेखौफ अंदाज और अनप्रेडिक्टेबल कहानी पर चलती है, जो इसे फॉर्मूला वाली फिल्मों से अलग और ताजा बनाती है।आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी हैप्पी पटेलरू खतरनाक जासूस का निर्देशन वीर दास ने किया है। फिल्म में वीर दास के साथ मोना सिंह, शारिब हाशमी और मिथिला पालकर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 16 जनवरी 2026 को थिएटर्स में रिलीज होने वाली है।

जबरा फैन ने रजनीकांत के मंदिर में खास अंदाज में मनाया पोंगल

परिवार के साथ की विधिवत पूजा

आज 14 जनवरी को देशभर में मकर संक्रांति और कई राज्यों खासकर साउथ इंडिया में पोंगल का त्योहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर लोग भगवान सूर्य को धन्यवाद देते हैं और नई फसल के स्वागत में विशेष पूजा-अर्चना

करते हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर पोंगल के जश्न से जुड़ी एक दिलचस्प तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें सुपरस्टार रजनीकांत का एक फैन ने बेहद खास अंदाज में पोंगल का त्योहार मनाता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फैन ने अपने घर में रजनीकांत के लिए एक छोटा सा मंदिर बना रखा है। पोंगल के शुभ अवसर पर उन्होंने अपने पूरे परिवार के साथ इस मंदिर में विधिवत पूजा की। परिवार के सदस्यों ने पारंपरिक तरीके से थलाइवा के मंदिर में दीप जलाए, फूल चढ़ाए और पोंगल प्रसाद अर्पित किया फैन का कहना है कि रजनीकांत सिर्फ एक एक्टर नहीं, बल्कि उनके लिए प्रेरणा और आस्था का प्रतीक हैं। इसलिए हर खास त्योहार पर वह अपने थलाइवा के मंदिर में पूजा करना नहीं भूलते। पोंगल जैसे पावन पर्व पर भी उन्होंने रजनीकांत के मंदिर में पूजा कर अपनी श्रद्धा जाहिर की। इस अनोखे जश्न की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। लोग फैन की भक्ति और रजनीकांत के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब रजनीकांत के फैंस की दीवानगी सामने आई हो, लेकिन पोंगल के मौके पर घर में बने मंदिर में पूजा करने का यह अंदाज हर किसी का ध्यान खींच रहा है।

एनिवर्सरी पर गिफ्ट के तौर पर मिला तलाक का नोटिस, रात 1 बजे देश छोड़ने को हुई मजबूर

सेलिना जेटली ने बयां किया दर्द

एक्ट्रेस सेलिना जेटली अपनी निजी जिंदगी में काफी मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। तीन बच्चों की मां सेलिना ने पिछले दिनों पति पीटर हाग पर घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए थे और तलाक की मांग की थी। वही, अब हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि साल 2025 में उनकी 15वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर उन्हें गिफ्ट के तौर पर तलाक का नोटिस मिला। इसके साथ ही सेलिना ने बताया कि किस तरह उन्हें मानसिक और भावनात्मक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा और हालात ऐसे बन गए कि उन्हें अपने बच्चों से अलग होना पड़ा। हाल ही में सेलिना जेटली ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक इमोशनल पोस्ट करते हुए बताया कि दुर्व्यवहार और उत्पीड़न से बचने के लिए उन्होंने 11 अक्टूबर 2025 की रात को ऑस्ट्रिया छोड़ दिया था। इस फैसले के साथ ही उन्हें अपने तीन बच्चों से अलग होना पड़ा, जिससे उनका दिल टूट गया। एक्ट्रेस ने लिखा, जिस दिन मैंने अपनी इज्जत, अपने बच्चों और अपने भाई की रक्षा के लिए ऑस्ट्रिया छोड़ने का फैसला किया, उसी दिन मैंने अपने बच्चों को खो दिया। यह पोस्ट उन सभी लोगों के लिए है जो अपमानजनक शादियों से गुजर रहे हैं। वे अकेले नहीं हैं। सेलिना ने बताया कि रात 1 बजे पड़ोसियों की मदद से वे ऑस्ट्रिया से निकलीं और बहुत कम पैसे के साथ भारत लौटीं। भारत पहुंचकर उन्हें अपने ही घर में प्रवेश के लिए कोर्ट जाना पड़ा। यह प्रॉपर्टी उन्होंने साल 2004 में शादी से पहले खरीदी थी, लेकिन अब उनके पति इसे अपना बता रहे हैं। इस लड़ाई के लिए उन्हें बड़ा लोन भी लेना पड़ा। ज्वाइंट कस्टडी और ऑस्ट्रियाई फैमिली कोर्ट के मौजूदा आदेश के बावजूद, उन्हें अभी तक अपने बच्चों से बात करने की इजाजत नहीं मिली है। सेलिना का कहना है कि ज्वाइंट कस्टडी और ऑस्ट्रियाई फैमिली कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें अब तक अपने बच्चों से बात करने या मिलने की अनुमति नहीं दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बच्चों को उनसे दूर रखने की लगातार कोशिश की गई। एक्ट्रेस के मुताबिक, मीडिया में चुनिंदा कहानियां फैलाकर बच्चों और मां के बीच बातचीत में रुकावट डाली गई। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को उनके खिलाफ भड़काया गया और डराया गया। सेलिना ने याद दिलाया कि वह बच्चों की पैदाइश से लेकर उनकी परवरिश तक की मुख्य जिम्मेदार रही हैं और पति के करियर को सपोर्ट करने के लिए एक देश से दूसरे देश जाती रहीं। सेलिना जेटली ने यह भी खुलासा किया कि साल 2025 में उनकी 15वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर उन्हें गिफ्ट के तौर पर तलाक का नोटिस मिला। इसके बाद उन्होंने कई बार आपसी सहमति से अलग होने की कोशिश की, ताकि बच्चों पर इसका असर कम पड़े। लेकिन हर बार उनसे उनकी शादी से पहले की संपत्ति की मांग की गई और ऐसी शर्तें रखी गईं, जिनसे उनकी आजादी और सम्मान पर सवाल खड़े हो गए। अपनी पोस्ट के अंत में सेलिना ने लिखा कि एक ही पल में उनकी पूरी दुनिया उनसे छीन ली गई। उन्हें अचानक खुद को एक मां के तौर पर साबित करना पड़ा, जबकि वह पहले से ही अपने बच्चों के लिए सब कुछ कर चुकी थीं। सेलिना की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और कई लोग उनके साहस की सराहना करते हुए उन्हें समर्थन दे रहे हैं।

'अवतार- फायर एंड ऐश' की एक्ट्रेस बनीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉलीवुड अभिनेत्री, इस एक्ट्रेस को छोड़ा पीछे

हॉलीवुड फिल्म 'अवतारः फायर एंड ऐश' में अहम किरदार निभाने वाली अभिनेत्री जोई सल्डाना हॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्री बन गई हैं। अभिनेत्री जोई सल्डाना हॉलीवुड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली अभिनेत्री बन गई हैं। यह कामयाबी उन्हें उनकी फिल्म 'अवतारः फायर एंड ऐश'

की बॉक्स ऑफिस पर सफलता के बाद मिली है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग वेबसाइट 'नंबर्स', के मुताबिक सल्डाना ने 33 फिल्मों से 15.46 बिलियन अमेरिकी डॉलर कमाए हैं। यानी हर फिल्म से उनकी लगभग 469 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई हुई है। जोई साल्डाना ने जीता ऑस्कर अवॉर्ड जोई साल्डाना ने 2025 में फिल्म 'एमिलिया पेरेज' में अपनी परफॉर्मेंस के लिए अपना पहला ऑस्कर जीता। हाल ही में उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है, जिससे उन्हें यह रिकॉर्ड बनाने में मदद मिली है। उनकी कामयाब फिल्मों में अवतार (2009), अवतारः द वे ऑफ वॉटर (2022), और एवेंजर्सः इन्फिनिटी वॉर (2018) शामिल हैं। दूसरे नंबर पर स्कारलेट जोहानसन इस लिस्ट में अभिनेत्री स्कारलेट जोहानसन दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 36 फिल्मों से 15.40 बिलियन अमेरिकी डॉलर कमाए हैं। पिछले साल, 'जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ' के दुनिया भर में 869 मिलियन अमेरिकी डॉलर कमाने के बाद स्कारलेट जोहानसन टॉप पर पहुंच गई थीं। यह एक्ट्रेस कई मार्वल फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। लिस्ट में तीसरे नंबर पर सैमुअल एल जैक्सन हैं। टॉप 10 में शामिल दूसरे सितारों में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, क्रिस प्रैट, टॉम क्रूज, क्रिस हेम्सवर्थ, विन डीजल, क्रिस इवांस और ड्वेन जॉनसन शामिल हैं। कामयाबी पर क्या बोलीं जोई सल्डाना अपनी कामयाबी पर प्रतिक्रिया देते हुए सल्डाना ने मंगलवार शाम को सोशल मीडिया पर एक वीडियो मैसेज पोस्ट किया। इसमें उन्होंने दुनिया भर के फिल्ममेकर्स और फैन्स को उनके सपोर्ट के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा 'मैं इस शानदार सफर के लिए दिल से शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिसकी वजह से आज मैं अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म एक्ट्रेस बन गई हूं।'

निक्की ने बांटी चिक्की, सुनीता आहूजा ने दिए गिफ्ट और पतंग उड़ाते दिखे शेखर सुमन

आज बुधवार 14 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जा रहा है। बॉलीवुड में भी इस अवसर पर खूब रौनक है। सितारों ने अलग-अलग अंदाज में यह त्योहार सेलिब्रेट किया है। आज देश में दान-पुण्य का त्योहार मकर संक्रांति मनाया जा रहा है। इस अवसर पर तिल, गुड़, मूंगफली, खिचड़ी आदि खाने और दान करने की परंपरा है। इसके अलावा देश के कुछ हिस्सों में पोंगल का त्योहार मनाया जा रहा है। इस अवसर पर फिल्म जगत में भी खुशियां देखी जा रही हैं। किसी ने गजक बांटकर खुशियां मनाईं तो कोई पतंगबाजी करता दिखा। गोविंदा की पत्नी ने बांटे गिफ्ट मकर संक्रांति पर दान करने की परंपरा है। माना जाता है कि इससे पुण्य मिलता है। आज बुधवार को त्योहार पर एक्टर गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने तोहफे वितरित किए। उन्होंने गरीबों के बीच जाकर गिफ्ट बांटे। सुनीता आहूजा का वीडियो वायरल हो रहा है। निक्की तंबोली ने बांटीं चिक्की मॉडल और अभिनेत्री निक्की तंबोली ने मकर संक्रांति पर लोगों के बीच जाकर तिल की चिक्की बांटी। उन्होंने पैपराजी को भी चिक्की खिलाई। सोशल मीडिया पर उनका वीडियो सामने आया है, जिसमें वे मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देती दिख रही हैं। बचपन की यादों में खोए शेखर सुमन अभिनेता शेखर सुमन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे पतंग उड़ाने की तैयारी करते दिख रहे हैं। इस दौरान अभिनेता बचपन की यादों में खो गए। वीडियो में वे कहते दिख रहे हैं, 'मकर संक्रांति पर बचपन की सारी यादें, जब हम बिहार में पतंग उड़ाया करते थे।' वे इस दौरान पतंग उड़ाने की कुछ तरकीब बताते दिख रहे हैं। सुनील शेट्टी ने बेटे अहान के साथ शेयर किया वीडियो अभिनेता सुनील शेट्टी ने मंकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे अपने बेटे अहान शेट्टी के साथ नजर आ रहे हैं। एक्टर ने कैप्शन लिखा है, 'वक्त के साथ पतंग बदलती है, पर विरासत की डोर हर उड़ान को ताकत देती है। पतंग और डोर-अलग सही, पर हमेशा जुड़े हुए। मकर संक्रांति की शुभकामनाएं'। बता दें कि अहान जल्द ही फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे।

भाजपा का बहिष्कार ड्रामा, अब परदेसी ताकतों का कर रही स्वागतः अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा और उसके संगी-साथी स्वदेशी का नारा लगाते-लगाते अब परदेसी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग कल तक चीन से आयात और चीनी सामान के बहिष्कार की बातें कर रहे थे, वही आज खुलेआम उसका स्वागत कर रहे हैं। बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए श्री यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के वैचारिक उस्ताद पड़ोसी देश से एकदलीय व्यवस्था का ष्मास्टर क्लासष् ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस स्तर तक अब मुलाकात पहुँच गई है, उससे साफ है कि इसकी तैयारी कई वर्षों से चल रही थी। ऐसे में बहिष्कार का यह सारा ड्रामा केवल समर्थकों की आँखों में धूल झोंकने के लिए किया गया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा समर्थक, जो चीनी सामान के बहिष्कार के लिए घर-घर जाकर प्रचार कर रहे थे, आज खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के ये समर्थक श्रंगे सियार की कहानी भूल गए थे, जिसका सच बारिश में सामने आ जाता है।

अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी यूएन की कई एजेंसियों से तोड़ा नाता

अपने इस फैसले की जानिए क्या वजह बताई

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने का एलान कर दिया है। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इस फैसले की वजह भी बताई। इस्राइल के इस फैसले के बाद अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी खुद को संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से अलग कर लिया है। इस्राइल ने अपने इस कदम की वजह बताते हुए कहा कि ये एजेंसियां लगातार उसके प्रति पक्षपात कर रहीं थीं और राजनीति कर रहीं थीं। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से अमेरिका को अलग कर लिया था। इनमें से आधे संगठन संयुक्त राष्ट्र के थे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ये एजेंसियां अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर क्या कहा? इस्राइल के विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर कहा, 'अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने के बाद हमने भी समीक्षा की। जिसके बाद इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तय किया कि इस्राइल तुरंत प्रभाव से संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने नाते तोड़ रहा है। साथ ही विदेश मंत्री ने मंत्रालय को निर्देश दिया है कि अन्य एजेंसियों के साथ ही संबंधों की समीक्षा की जा रही है और विचार-विमर्श के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा।' इन संगठनों से इस्राइल ने तोड़ा नाता इस्राइल ने यूएन के जिन संगठनों से नाता तोड़ा है, उनमें चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ऑफिस, यूएन वुमन, यूएन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट, यूएन इकॉनोमिक एंड सोशल कमीशन फॉर वेस्टर्न एशिया, यूएन अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन, यूएन एनर्जी और माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ग्लोबल फोरम जैसे संगठन शामिल हैं। इस्राइल सरकार ने बताया कि चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ने इस्राइली सेना को, हमास, फलस्तीन के साथ काली सूची में डाला हुआ है। ऐसे में इस्राइल ने इस संगठन से हटने का फैसला किया है। इस्राइल ने जून 2024 में इस संगठन से रिश्ते तोड़े हुए थे और अब आधिकारिक रूप से इस संगठन से हटने का एलान कर दिया है। यूएन वुमन संगठन द्वारा इस्राइली महिलाओं के साथ हमास द्वारा किए गए यौन शोषण को नजरअंदाज करने के चलते इस्राइल की सरकार ने इस संगठन से हटने का तय किया है।

नई इस्राइली फिल्म निर्भया कांड की रैलियों से प्रेरित; निमार्ता बोले- उस समय भारत की यात्रा पर था

तेल अवीव (एजेंसी)। निर्भया कांड के बाद देशभर में उठे जनआक्रोश ने अब अंतरराष्ट्रीय सिनेमा को भी प्रभावित किया है। इस्राइली फिल्म निमार्ता डैन वोलमैन की नई फिल्म भारत की उस त्रासदी और उसके खिलाफ हुए प्रदर्शनों से प्रेरित है। आइए जानते हैं फिल्म निमार्ता ने इस पर क्या कुछ कहा। इस्राइली फिल्म निमार्ता डैन वोलमैन ने नई फिल्म मर्डर्स टू क्लोज, लव टू फार में भारतीय फिल्म निमार्ता मंजू बोरा के साथ मिलकर 2012 में हुए निर्भया दुष्कर्म और उसकी हत्या के घटनाक्रम पर बनाई है। वोलमैन ने कहा, वह जब 2012 में भारत यात्रा पर आए, तब दिल्ली में एक फिजियोथेरेपी इंटर्न (निर्भया) के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के विरोध में व्यापक प्रदर्शन हो रहे थे। फिल्म की प्रेरणा उन्हें वहीं से मिली। फ्लोच, माई माइकल, ऐन इस्राइली लव स्टोरी और वैली ऑफ स्ट्रेंथ जैसी फिल्मों के लिए मशहूर वोलमैन ने मंजू बोरा के साथ मिलकर इस मर्डर मिस्ट्री का सह-निर्देशन किया है। यह ऐसी पहली फिल्म है जिसका सह-निर्माण भारत और इस्राइली फिल्मकारों ने किया है। इसे 24वें पुणे अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (पीआईएफएफ) में प्रदर्शित किया जाएगा। वोलमैन ने कहा, निर्भया कांड भयावह घटना थी। फिल्म की शूटिंग भारत में हुई वोलमैन ने कहा, फिल्म की शूटिंग भारत में हुई है और इसमें यौन उत्पीड़न, हिंसा, भ्रष्टाचार, समूह के व्यवहार, गिरोह और भीड़ की मानसिकता जैसे विषयों को उठाया गया है। वह बोले, ये मुद्दे इस्राइल में भी उतने ही आम हैं जितने दुनिया के अन्य हिस्सों में। मैंने अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और चीन में फिल्में बनाई हैं और सभी मिलती-जुलती कहानियों, मुद्दों और समस्याओं का सामना करते हैं। फिल्म की पूरी शूटिंग भारत में की गई है। कहानी वास्तविक सामाजिक मुद्दों से प्रेरित है। फिल्म में यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर विषय को उठाया गया है। हिंसा को समाज की एक बड़ी समस्या के रूप में दिखाया गया है। भ्रष्टाचार की भूमिका को कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है। समूह के व्यवहार और लोगों के सामूहिक फैसलों पर फोकस किया गया है।

अग्निकांड के बाद भवन रखरखाव-सुरक्षा कानूनों में बदलाव की पहल

उल्लंघन-दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

हांगकांग (एजेंसी)। हांगकांग में आग त्रासदी के बाद सरकार ने बड़े बदलाव की तैयारी की है। भ्रष्टाचार रोकने और इमारतों को सुरक्षित बनाने के लिए नए और सख्त नियम लाए जा रहे हैं। प्रशासन ने भ्रष्टाचार, लापरवाही और निगरानी की कमियों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके। हांगकांग में हुई आग त्रासदी के बाद अधिकारियों ने बुधवार को इमारतों की मरम्मत और आग से सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने का प्रस्ताव दिया है। यह फैसला नवंबर में लगी भीषण आग के बाद लिया गया है। उस हादसे में कम से कम 161 लोगों की जान गई थी और हजारों लोग बेघर हो गए थे।

एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के सात टावरों में फैली इस आग ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इमारतों की मरम्मत में भ्रष्टाचार, लापरवाही और सरकारी निगरानी में कमी की बात सामने आई है। इससे हांगकांग के नेता जॉन ली और बीजिंग की शासन प्रणाली पर दबाव बढ़ गया है। दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई नई चुनी गई विधायिका की पहली बैठक में जॉन ली ने कहा कि इस घटना ने सुधार की जरूरत को उजागर किया है। उन्होंने वादा किया कि पुलिस और एक जज की अध्यक्षता वाली स्वतंत्र समिति इसकी पूरी जांच करेगी। ली ने कहा, ₹हम निष्पक्ष रूप से जवाबदेही तय करेंगे। तथ्यों के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। चाहे वे सरकार के अंदर हों या बाहर, जूनियर हों या सीनियर, किसी को बख्शा नहीं जाएगा।₹ भ्रष्टाचार रोकने के लिए नया प्लान इसके साथ ही बोली में धांधली रोकने के लिए प्रशासन ने नया तरीका सुझाया है। अब 'अर्बन रिन्यूअल अथॉरिटी' घर मालिकों को ठेकेदार चुनने में मदद करेगी। अधिकारियों ने सलाहकारों और ठेकेदारों की एक लिस्ट बनाने की योजना बनाई है। यह लिस्ट उनके काम की जांच और पुराने रिकॉर्ड के आधार पर बनेगी। अथॉरिटी घर मालिकों को टेंडर और बोली लगाने की प्रक्रिया में भी मदद करेगी। सुरक्षा के लिए नए नियम सरकार ने बड़े मरम्मत कामों की निगरानी के लिए किसी तीसरे पक्ष के पेशेवर को रखना जरूरी बताया है। आग बुझाने वाले उपकरणों को बंद करने से पहले फायर डिपार्टमेंट की मंजूरी लेनी होगी। साथ ही, किसी भी निर्माण स्थल पर धूम्रपान पर पूरी तरह रोक लगाने का सुझाव दिया गया है। धूम्रपान पर रोक से जुड़े कानून में बदलाव के प्रस्ताव अगले कुछ हफ्तों में समीक्षा के लिए पेश किए जाएंगे। अधिकारी अभी अन्य सुझावों पर अर्बन रिन्यूअल अथॉरिटी के साथ चर्चा कर रहे हैं। घटिया सामग्री बनी आग का कारण अधिकारियों ने बताया कि वांग फुक कोर्ट अपार्टमेंट में मरम्मत के दौरान घटिया जाली और फोम बोर्ड का इस्तेमाल हुआ था। यही नवंबर में लगी आग का कारण बना। उन्होंने यह भी माना कि कुछ फायर अलार्म जांच के समय काम नहीं कर रहे थे। राजनीतिक विश्लेषकों को चिंता है कि यह त्रासदी हांगकांग में सिर्फ एक शुरूआत हो सकती है। ऊंची इमारतों वाले इस शहर में बोली में धांधली और खराब सामग्री के इस्तेमाल का शक है। लोगों को डर है कि ऐसी आपदा दोबारा हो सकती है।

स्पेन में 150 वर्षों में पहली बार कोई महारानी करेगी राज, जानिए कौन हैं 20 साल की राजकुमारी लियोनोर

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन की 20 वर्षीय राजकुमारी लियोनोर, देश की अगली महारानी बनेंगी। किंग फेलिप और रानी लेटिजिया की बड़ी बेटी राजकुमारी लियोनोर एक प्रशिक्षित पायलट हैं और कई भाषाओं की जानकार हैं। स्पेन में 150 वर्षों के बाद किसी महारानी का राज होगा। स्पेन में एक इतिहास रचने की तैयारी हो रही है। दरअसल 150 वर्षों में पहली बार वहां एक महारानी का राज होगा। स्पेन के राजा किंग फेलिप छठे और रानी लेटीजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर स्पेन की पहली रानी बनेंगी। इससे पहले 1800 सदी में इसाबेला द्वितीय स्पेन की महारानी बनीं थीं। कौन हैं प्रिंसेस लियोनोर 20 साल की राजकुमारी प्रिंसेस लियोनोर, स्पेन के राजा किंग फेलिप छठे और रानी लेटीजिया की बड़ी बेटी हैं। स्पेनिश राजशाही पर 1700 के दशक की शुरूआत से बॉर्बन राजवंश का कब्जा रहा है। बॉर्बन राजवंश ने उत्तराधिकारी की लड़ाई में हैब्सबर्ग्स को हराया था। जनरल फ्रेंको की तानाशाही खत्म होने के बाद साल 1975 में किंग जुआन कार्लोस प्रथम के साथ स्पेन में फिर से राजशाही बहाल हुई। किंग जुआन कार्लोस प्रथम ने स्पेन में लोकतंत्र में बदलने में अहम भूमिका निभाई। साल 2014 में किंग कार्लोस ने गद्दी छोड़ दी और सिंहासन अपने बेटे फेलिप को सौंप दिया। अब किंग फेलिप के बाद राजकुमारी लियोनोर स्पेन की सत्ता संभालेंगी। राजकुमारी लियोनोर ने वेल्स के अटलांटिक कॉलेज से उच्च शिक्षा हासिल की है।

युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव से पहले इंटरनेट बंद, सड़कों पर सैनिक; निष्पक्ष मतदान बड़ी चुनौती

कंपाला (एजेंसी)। युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव से पहले इंटरनेट पर पाबंदी लगाई जा चुकी है। इसी के साथ जनता को सड़कों पर सैनिक का समना करना पड़ रहा है। ऐसे में अफ्रीकी देश के अंदर निष्पक्ष मतदान बड़ी चुनौती बनता नजर आ रहा है। अफ्रीकी देश युगांडा में राष्ट्रपति चुनाव होने जा रहे हैं, लेकिन निष्पक्ष मतदान एक बड़ी चुनौती बनती नजर आ रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि गुरुवार (15 जनवरी) को होने वाले मतदान से पहले इंटरनेट पर पाबंदी लगा दी गई है। इसी के साथ सड़कों पर जनता को सैनिकों का सामना करना पड़ रहा है। जिससे विपक्ष की चिंताएं बढ़ती नजर आ रही है। इस चुनाव में विपक्षी नेता बॉबी वाइन और राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी एक बार फिर आमने-सामने है। युगांडा के लोग राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने के लिए तैयार हैं, जिससे संभवतः लंबे समय से सत्ता में काबिज राष्ट्रपति का कार्यकाल बढ़ेगा, जबकि पारदर्शिता, वंशानुगत शासन, सैन्य हस्तक्षेप और मतदान केंद्रों पर वोटों में हेराफेरी को रोकने के लिए विपक्ष की रणनीति को लेकर चिंताएं बढ़ेंगी। 1986 से सत्ता में काबिज राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी सातवें कार्यकाल की तलाश में हैं, जिससे वे सत्ता में पांच दशक पूरे करने के करीब पहुंच जाएंगे। लेकिन उन्हें संगीतकार से राजनेता बने 43 वर्षीय बॉबी वाइन से कड़ी चुनौती मिल रही है, जो राजनीतिक परिवर्तन की चाह रखने वालों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

'ग्रीनलैंड के पीएम के लिए दिक्कत बढ़ने वाली है', डेनमार्क के साथ तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इस विशाल द्वीप पर कब्जा करने या इसे अलग होने के लिए मजबूर करने का अमेरिकी प्रयास ट्रांसअटलांटिक गठबंधन को तोड़ देगा, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की सुरक्षा का एक मुख्य आधार रहा है। डौनाल्ड ट्रंप ने द्वीप पर अमेरिकी कब्जे की मांग तेज कर दी है। उन्होंने बार-बार कहा है कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए सैन्य बल सहित कई विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ग्रीनलैंड को अमेरिकी नियंत्रण में लाने को लेकर बयान दे रहे हैं। वहीं, ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री ने डेनमार्क के साथ रहने की प्राथमिकता पर जोर दिया। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'खैर, यह उनकी समस्या है। मैं उनसे असहमत हूं। मैं उन्हें नहीं जानता। उनके बारे में मुझे कुछ भी नहीं पता। लेकिन यह उनके लिए एक बड़ी समस्या बनने वाली है।' वहीं, डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने राष्ट्रपति ट्रंप के उस आह्वान के खिलाफ एकजुट होकर विरोध जताया है जिसमें उन्होंने अमेरिका से इस रणनीतिक आर्कटिक द्वीप को अपने कब्जे में लेने की बात कही है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्रियों ने मंगलवार को शायद अब तक की अपनी सबसे तीखी

प्रतिक्रिया में इस बात पर जोर दिया कि यह क्षेत्र डेनमार्क का हिस्सा है और नाटो सैन्य गठबंधन के दायरे में आता है। व्हाइट हाउस में आज मिलेंगे डेनमार्क-ग्रीनलैंड और अमेरिका के प्रमुख नेता डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने अपनी एकजुटता पर जोर देने की कोशिश की। वहीं उनके विदेश मंत्री, डेनमार्क के लार्स लोके रासमुसेन और ग्रीनलैंड की विवियन मोट्जफेल्ड बुधवार को व्हाइट हाउस में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ वार्ता की तैयारी कर रहे थे। 'हम डेनमार्क को ही चुनेंगे' :ग्रीनलैंड के पीएम कोपेनहेगन में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फ्रेडरिकसेन ने कहा, 'प्रिय ग्रीनलैंडवासियों, आपको यह जानना चाहिए कि हम आज एक साथ खड़े हैं, हम कल भी एक साथ खड़े रहेंगे और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।' वहीं, नीलसन ने कहा, 'अगर हमें अभी और यहीं अमेरिका और डेनमार्क के बीच चुनना पड़े, तो हम डेनमार्क को चुनेंगे। हम नाटो को चुनेंगे। हम डेनमार्क साम्राज्य को चुनेंगे। हम यूरोपीय संघ को चुनेंगे।' ग्रीनलैंड बोला-हमारा देश बिकने को तैयार नहीं इस सप्ताह की शुरूआत में ट्रंप ने अपने इस तर्क को दोहराया कि अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा करना होगा, वरना रूस या चीन इसे हासिल कर लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे इस क्षेत्र के लिए समझौता करना पसंद करेंगे, लेकिन किसी भी तरह से ग्रीनलैंड हमें मिलेगा। डेनमार्क के अधिकारियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वे ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने बार-बार कहा है कि यह क्षेत्र बिक्री के लिए नहीं है।

उत्तरी माली में दर्दनाक हादसा, नाइजर नदी में फेरी नाव पलटी, 38 की मौत; 23 लोगों को बचाया गया

बमाको (एजेंसी)। उत्तरी माली के टिंबकटू क्षेत्र में नाइजर नदी में फेरी नाव चट्टानों से टकराकर डूब गई। इस दर्दनाक हादसे में 38 लोगों की जान गई, जबकि 23 लोग किसी तरह बच पाए। उत्तरी माली के टिंबकटू क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जहां नाइजर नदी में एक फेरी नाव दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में दर्जनों लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अब भी सदमे में हैं। यह दुर्घटना गुरुवार को डिरे शहर के पास हुई, जब फेरी नाव नदी किनारे उतरने की कोशिश कर रही थी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, नाव चट्टानों से टकरा गई और देखते ही देखते नदी में डूब गई। हालांकि प्रशासन ने अभी तक आधिकारिक मौतों की संख्या जारी नहीं की है, लेकिन क्षेत्र के निवासी और पूर्व सांसद अलकैदी तूरे ने बताया कि

इस हादसे में 38 लोगों की जान गई, जबकि 23 लोग किसी तरह बच पाए। नाव में सवार अधिकतर लोग किसान परिवार से थे स्थानीय निवासी मूसा अग अलमौबारेक ट्राओरे ने बताया कि इस दुर्घटना में उन्होंने अपने 21 परिजनों को खो दिया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर नदी से शव निकालने में मदद की। उन्होंने कहा नदी में शव बिखरे पड़े थे, कुछ तो सड़ने भी लगे थे। उनकी गंध अब तक महसूस हो रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नाव में सवार अधिकतर लोग किसान परिवार से थे, जो धान की फसल काटकर लौट रहे थे। सुरक्षा कारणों से रात के समय नावों के किनारे लगने पर प्रतिबंध है, क्योंकि इस क्षेत्र में अल-कायदा से जुड़े आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। टिंबकटू क्षेत्र शोक में बताया जा रहा है कि नाव चालक सुबह तक इंतजार नहीं करना चाहता था और उसने दूसरी जगह उतरने की कोशिश की, जहां नाव चट्टानों से टकराकर पलट गई।

कोहरे की चपेट में उत्तर भारत, मैदानी इलाकों में बारिश की संभावना

शीतलहर को लेकर दिल्ली में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। दिल्ली में तीन साल की सबसे सर्द सुबह दर्ज की गई, जबकि नोएडा और हरियाणा-राजस्थान में तापमान 0 से 2 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने शीतलहर और कोहरे को लेकर रेड अलर्ट भी जारी किया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और पूरे एनसीआर में कड़ाके की ठंड ने जनजीवन पूरी तरह जकड़ लिया है। पूरा उत्तर भारत कोहरे की चपेट में है। बीती सुबह दिल्ली में बीते तीन साल में सबसे सर्द रही, जब न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंडी हवाओं, घने कोहरे और शीतलहर ने लोगों की कंपकंपी बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने हालात को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, गाजियाबाद और पूरे उत्तर भारत में तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है। नोएडा में न्यूनतम तापमान दो डिग्री और गाजियाबाद में 4.3 डिग्री दर्ज किया गया। दिन में धूप निकलने के बावजूद ठंड का असर कम नहीं हुआ। राजधानी में लगातार तीसरे दिन शीतलहर की स्थिति बनी रही और अधिकतम तापमान भी सामान्य से नीचे रहा। उत्तर भारत में कहां कितना पारा गिरा? उत्तर भारत के कई राज्यों में ठंड ने रिकॉर्ड के करीब तापमान दर्ज कराया। हरियाणा के हिसार में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री और नारनौल में 1.8 डिग्री रहा। राजस्थान के करौली में दो डिग्री, अलवर में 3.2 और पिलानी में 5.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। पंजाब में एसबीएस नगर में पारा जीरो डिग्री तक पहुंच गया। चंडीगढ़ में सीजन की सबसे सर्द रात रही, जहां तापमान 2.8 डिग्री दर्ज किया गया। हिमाचल में बर्फबारी की संभावना मौसम विभाग के अनुसार 15 जनवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।